डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-196 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 10 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मनरेगा के कामों का खुलेगा राज, चार ब्लॉक ऑडिट के घेरे में

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम्य विकास विभाग निदेशालय के निर्देश पर जिले में मनरेगा योजना (अब वीबीजी राम जी) के तहत बीते वित्तीय वर्ष में कराए गए विकास कार्यों का सोशल ऑडिट शुरू हो गया है। प्रथम चरण में जिले के चार ब्लॉकों फरह, बल्देव, छाता और चौमुंहा में मनरेगा के कार्यों की जांच कराई जा रही है। इसके लिए 16 टीमें लगाई गई हैं। ऑडिट की प्रक्रिया 29 सितंबर तक चलेगी।

ऑडिट टीमों को गांवों में कराए गए मनरेगा योजना से करोड़ों रुपये से कराए गए कार्यों की वास्तविक स्थिति का मौके पर सत्यापन करने

की जिम्मेदारी दी गई है। टीमें अभिलेखों में दर्ज कार्यों और मौके पर उनकी स्थिति का मिलान करेंगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास

16 टीमें मौके पर कर रहीं कार्यों का सत्यापन, पीएम आवास से निर्माण कार्यों तक होगी जमीनी पड़ताल

योजना से जुड़े कार्यों के अलावा कच्चे और पक्के निर्माण कार्यों की भी जांच की जाएगी। टीमों द्वारा लाभार्थियों और ग्रामीणों से जानकारी लेकर कार्यों की गुणवत्ता, उपयोगिता और मौके पर मौजूद स्थिति को रिपोर्ट में दर्ज किया जाएगा।

जांच पूरी होने के बाद ऑडिट टीमों की रिपोर्ट जिला विकास अधिकारी कार्यालय को सौंपी जाएगी। यहां से सभी रिपोर्टों को संकलित कर ग्राम्य विकास विभाग निदेशालय को भेजा जाएगा। ऑडिट के दौरान यदि किसी कार्य में अनियमितता, अभिलेखों और मौके की स्थिति में अंतर या गुणवत्ता संबंधी कमी मिलती है तो उसे भी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

जिले में कुल 10 विकासखंड हैं। फिलहाल चार ब्लॉकों में ऑडिट कराया जा रहा है। शेष छह ब्लॉकों में मनरेगा के कार्यों का ऑडिट शासन स्तर से तिथि निर्धारित होने के बाद शुरू कराया जाएगा। विभागीय अधिकारियों अनुसार, ऑडिट का उद्देश्य मनरेगा के तहत खर्च धनराशि और कराए गए कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे में बताया कि 22 अगस्त से फरह, छाता, बल्देव और चौमुंहा ब्लॉक में मनरेगा कामों का आडिट करने को टीमें लगी हैं। 29 सितंबर तक यह काम चलेगा। निदेशालय से नई तिथि आने पर अन्य ब्लॉकों में ऑडिट का काम शुरू होगा।

टेंट गोदाम में लगी भीषण आग, दो किमी दूर तक दिखा धुएं का गुबार

दमकल की करीब सात गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं, लाखों के नुकसान की आशंका

आर्टिफिशियल फूल फर्नीचर और कपड़ा की वजह से तेजी से फैली आग

टेंट गोदाम में आग के दौरान उठता धुआं।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन–छटीकरा रोड पर गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कृष्णा फन लैंड के बराबर स्थित टेंट गोदाम अचानक आग की लपटों से घिर गया। करीब साढ़े तीन बजे गोदाम से उठता काला धुआं दूर से ही दिखाई देने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। घने धुएं और ऊंची उठती लपटों को देखकर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग की भयावहता को देखते हुए फायर स्टेशन से दमकल गाड़ियां भेजी गईं। शुरुआत में दो वाहनों ने मोर्चा संभाला, लेकिन आग लगातार फैलती देख अतिरिक्त दमकलों को भी बुलाया गया। कुल सात दमकल गाड़ियों की मदद से कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

फायर स्टेशन ऑफिसर एनके सिंह के अनुसार, गोदाम 'सक्षम इवेंट्स' का है। इसमें टेंट हाउस से संबंधित सामान रखा हुआ था। गोदाम में आर्टिफिशियल फूल, सोफा, चेयर, कूलर, फाइबर की स्टेज, कपड़ा और अन्य सामान मौजूद था। इनमें कई सामान ज्वलनशील होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया।

गोदाम के एक हिस्से में टीन शेड का अस्थायी स्ट्रक्चर बना था, जिसमें टेंट का सामान रखा हुआ था। इसी हिस्से में आग लगने के बाद लपटें तेजी से फैल गईं।

दमकल कर्मियों ने आग पर नियंत्रण पाने के बाद गोदाम में रखे सामान को हटाकर साल्वेज का काम शुरू किया। आग किस स्थान से और किस कारण लगी, इसका अभी पता नहीं चल सका है। अधिकारियों के मुताबिक साल्वेज का काम पूरा होने के बाद जांच के आधार पर आग लगने के कारणों का पता लगाया जाएगा।

हादसे में गोदाम में रखा टेंट हाउस का सामान प्रभावित हुआ है, लेकिन राहत की बात यह रही कि आग की इस घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है।

गाड़ी कलर मैचिंग पेंट की दुकान में लगी भीषण आग

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के बाईपास पर स्थित कार कलर मैचिंग पेंट की एक दुकान में गुरुवार सुबह अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी दुकान आग की लपटों में घिर गई। आग बुझाने के प्रयास में दुकानदार भी झुलस कर घायल हो गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, तब तक दुकान में रखा 10 से 15 लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो चुका था।

दौताना गढी निवासी राहुल सैनी की कोसीकलां बाईपास पर गाड़ियों के कलर मैचिंग पेंट की दुकान है। बुधवार रात वह रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। गुरुवार सुबह पड़ोसी दुकानदारों ने दुकान के शटर से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। उन्होंने तुरंत दुकान स्वामी राहुल सैनी को फोन कर सूचना दी। सूचना मिलते ही राहुल सैनी मौके पर पहुंचे। दुकान में आग लगी देख उन्होंने खुद ही आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। इस दौरान वह आग की चपेट में आकर मामूली झुलसकर घायल हो गए। पड़ोसी दुकानदारों ने उन्हें पीछे खींचा और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

15 लाख का माल खाक, आग बुझाते समय दुकानदार घायल

फायर ब्रिगेड देरी से पहुंची, तब तक सब कुछ जलकर हुआ राख

बताया गया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी सूचना के काफी देर बाद मौके पर पहुंची। फायर कर्मियों ने करीब आधा घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकान में रखे कार पेंट के डिब्बे, थिनर, हार्डनर, कलर मैचिंग मशीन, कंप्रेसर और अन्य कीमती सामान पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। पीड़ित दुकानदार राहुल सैनी ने बताया कि इस आग से उसका करीब 10 से 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

तीनों जिलों के डीआईओएस पर कार्रवाई की संस्तुति, छह दिन में सुधार के निर्देश

ऑनलाइन हाजिरी में मथुरा आगे, आगरा समेत तीन जिले फेल

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी को लेकर प्रदेश स्तर पर हुई समीक्षा में आगरा मंडल की तस्वीर चौंकाने वाली सामने आई है। मंडल के चार जिलों में मथुरा ही ऐसा जिला है, जो 10 प्रतिशत या उससे कम ऑनलाइन उपस्थिति वाले 33 जिलों की सूची में शामिल नहीं है। वहीं आगरा, मैनपुरी और फिरोजाबाद में ऑनलाइन हाजिरी की स्थिति बेहद खराब मिली है। इन जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह की ओर से जारी समीक्षा के अनुसार, आगरा के 920 माध्यमिक विद्यालयों में महज 53 विद्यालयों ने ऑनलाइन

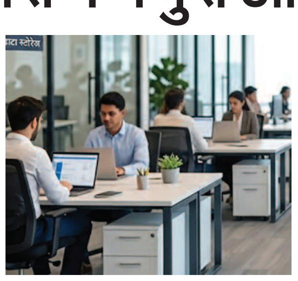

उपस्थिति दर्ज कराई। यह कुल विद्यालयों का 5.76 प्रतिशत है। मैनपुरी में 490 विद्यालयों में सिर्फ 25 ने ऑनलाइन हाजिरी दर्ज की, जो 5.10 प्रतिशत है।

वहीं फिरोजाबाद में 569 विद्यालयों में 55 विद्यालयों ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई। यहां यह आंकड़ा 9.67 प्रतिशत रहा। तीनों जिले 10 प्रतिशत की सीमा से नीचे

आगरा में 5.76 मैनपुरी में 5.10 और फिरोजाबाद में 9.67 प्रतिशत हाजिरी

होने के कारण कार्रवाई की संस्तुति वाले जिलों में शामिल हैं।

मथुरा जिला 10 प्रतिशत या उससे कम ऑनलाइन उपस्थिति वाले जिलों की सूची में शामिल नहीं है। ऐसे में मंडल के बाकी तीन जिलों की तुलना में मथुरा की स्थिति बेहतर रही है। गौरतलब है कि छात्रों, शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था लागू है। समीक्षा में प्रदेश के 33 जिलों में 10 प्रतिशत या उससे कम विद्यालयों में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज होना सामने आया। बोर्ड सचिव ने संबंधित डीआईओएस को छह दिन के भीतर सभी विद्यालयों में शत–प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

मंडल स्तर पर मथुरा का 33 जिलों की फिसड्डी सूची से बाहर रहना फिलहाल राहत की बात है, लेकिन आने वाले दिनों में ऑनलाइन हाजिरी की व्यवस्था को पूरी तरह लागू कराना शिक्षा विभाग के लिए चुनौती बनी हुई है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि ऑनलाइन हाजिरी पर कड़ाई की जा रही है, इसका प्रतिशत बढाया जा रहा है।

जंक्शन पर पैंट्री कार और स्थानीय वेंडरों में मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पैंट्री कार और स्थानीय वेंडरों के बीच जमकर मारपीट हो गई। विवाद में पैंट्री कार वेंडर प्रदीप निवासी आगरा घायल हो गए। प्रदीप का आरोप है कि स्थानीय वेंडर बिना अनुमति ट्रेन में खाद्य सामग्री बेचते हैं। उन्हें रोकने पर विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते मारपीट हो गई। घटना से स्टेशन पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत पर जीआरपी ने नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देह व्यापार में दो अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों को गुरुवार देर रात करीब 9:10 बजे केआर डिग्री कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों में गिरधारी निवासी बसई, थाना मगोर्रा, हाल निवासी बसंत विहार कॉलोनी गिरधरपुर और शिवम निवासी कासमपुर खटेला, थाना बलदेव, हाल निवासी गांव महोली, थाना हाईवे को पकड़ा है। टीम में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा और उपनिरीक्षक सुनील कुमार जोशी पुलिस टीम के साथ शामिल रहे।

बुजुर्गों के खातों में जल्द आएगी पेंशन

यूनिक समय, मथुरा। जुलाई माह से समाज कल्याण विभाग की वृद्धावस्था पेंशन का इंतजार कर रहे बुजुर्गों के लिए राहत की खबर है। पेंशन के लाभार्थियों का सत्यापन पूरा होने के बाद अब पात्र बुजुर्गों के खातों में पेंशन की धनराशि भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इसी सप्ताह से पेंशन की धनराशि खातों में पहुंचनी शुरू हो जाएगी। इस बार सत्यापन के कारण पेंशन करीब एक माह की देरी से जारी होगी।

बीते वित्तीय वर्ष में जिले में समाज कल्याण विभाग की वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 68,704 बुजुर्ग पात्र थे। नियमानुसार तीन माह की पेंशन एक साथ खाते में भेजी जाती है। इस

हिसाब से प्रत्येक लाभार्थी को तीन माह के लिए तीन हजार रुपये मिलने थे। नए वित्तीय वर्ष में अप्रैल, मई और जून की पेंशन जुलाई में जारी होनी थी, लेकिन शासन के निर्देश पर कराए गए सत्यापन के कारण भुगतान प्रक्रिया प्रभावित हो गई।

जून माह में कराए गए सत्यापन के

सत्यापन पूरा, 68,704 पात्र पेंशनरों की सूची निदेशालय भेजी

करीब 1100 मृत पेंशनरों के नाम सूची से किए गए बाहर

दौरान करीब 1,100 ऐसे पेंशन लाभार्थी मिले, जिनकी मृत्यु हो चुकी थी।

सत्यापन के बाद इन नामों को अपात्र श्रेणी में रखते हुए पेंशन सूची से हटाया गया है। विभाग ने पात्र लाभार्थियों की संशोधित सूची तैयार कर समाज कल्याण निदेशालय को भेज दी है। अब निदेशालय से धनराशि जारी होने के बाद पात्र बुजुर्गों के खातों में तीन माह की लंबित पेंशन भेजी जाएगी। विभागीय स्तर पर भुगतान की प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है। पेंशन मिलने से उन बुजुर्गों को बड़ी राहत मिलेगी, जो पिछले कई सप्ताह से खाते में धनराशि आने का इंतजार कर रहे थे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि विभाग से वृद्धावस्था पेंशन पाने वाले बुजुर्गों का डाटा सत्यापन के बाद निदेशालय को भेजा गया था। मृतक और अपात्र बाहर होने के बाद अन्य पात्र वृद्धजनों के खाते में पेंशन की धनराशि इसी सप्ताह से आने लगेगी।

कार सेवा के ऐलान पर महंत को पाक से धमकी

पाकिस्तान नंबर से कॉल, कार सेवा से पीछे हटने की चेतावनी

संत की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की धमकी की जांच

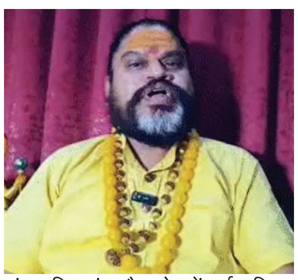

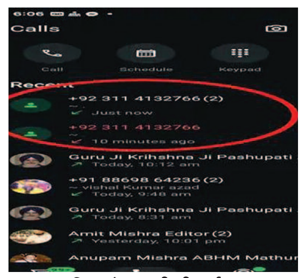

संत सच्चिदानंद और फोन में दर्ज पाकिस्तान का नंबर, जिससे धमकी दी गई।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान के समीप स्थित मस्जिद को लेकर छह दिसंबर को कार सेवा का ऐलान करने वाले चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर संत सच्चिदानंद को कथित रूप से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। संत का दावा है कि उनके वाट्सएप पर पाकिस्तान के नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने छह दिसंबर को प्रस्तावित कार सेवा से पीछे हटने की चेतावनी देते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

संत सच्चिदानंद के अनुसार, पहले +92 से शुरू होने वाले नंबर से उनके मोबाइल पर मिस्ड कॉल आई। करीब दस मिनट बाद इसी नंबर से दो बार फोन किया गया। इसके अलावा दो धमकी भरे ऑडियो संदेश भी भेजे गए। संत का आरोप है कि ऑडियो में उन्हें कार सेवा के कार्यक्रम से दूर रहने और ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

घटना की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस कॉल करने वाले नंबर, ऑडियो संदेश और घटनाक्रम से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल कर रही है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक कॉल करने वाले की पहचान या नंबर के पाकिस्तान से होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस फिलहाल जांच कर रही है।

छह दिसंबर को कार सेवा का ऐलान

संत सच्चिदानंद ने नौ अगस्त को चित्रगुप्त आश्रम में साधु–संतों की बैठक के दौरान छह दिसंबर को कार सेवा करने की घोषणा की थी। इससे पहले चार जुलाई को उन्होंने नौ अगस्त को कार सेवा किए जाने का ऐलान किया था। प्रशासन की ओर से पूर्व में संत समेत कई साधु–संतों और धर्माचार्यों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। संत का कहना है कि वह किसी धमकी से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

घर में घुसकर मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप, पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र में घर में घुसकर मारपीट, छेड़छाड़, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

आंबेडकर नगर निवासी भूरी देवी के अनुसार, आठ सितंबर की रात करीब आठ बजे वह अपनी पांच बेटियों के साथ घर पर मौजूद थीं। आरोप है कि सौरभ और गौरव निवासी जमनी का नगला कमिश्नरेट आगरा जबरन घर में घुस आए। शिकायत में बताया गया कि दोनों ने पीड़िता और उनकी बेटी पूजा के साथ अभद्र हरकत की। विरोध करने पर मारपीट की गई। शोर होने पर सिमा पत्नी दिनेश और सोमलता पत्नी महेश भी मौके पर पहुंचीं और मारपीट व गाली–गलौज में शामिल हो गईं। घटना के बाद पीड़िता ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों ने किया जनजागरण

रोडवेज कर्मचारी जनगागरण अभियान निकालते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ की मथुरा डिपो शाखा की ओर से 17 सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार को जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में अधिक से अधिक कर्मचारियों को आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश शुक्ला ने बताया कि मांगों को लेकर 16 सितंबर को क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद भी सरकार ने मांगों पर विचार नहीं किया तो 21 सितंबर को लखनऊ स्थित टेहरी कोठी मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

16 सितंबर को क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन

उन्होंने कर्मचारियों से दोनों कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

जनजागरण कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्यामवीर सिंह, शाखा मंत्री राजेंद्र चतुर्वेदी, विष्णु चौधरी, सत्यवीर सिंह, जितेंद्र कुमार शर्मा, जितेंद्र कुमार, नेत्रपाल सिंह, दुष्यंत कुमार, मधु शर्मा, श्रीदेवी, सुनीता, अंजू वाला, जगबीर सिंह, अजेंद्र चौधरी, दीपक, बलवीर सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पार्किंग से छात्र की बाइक चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र स्थित प्रेम महाविद्यालय की पार्किंग से एक छात्र की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। राहुल सिंह प्रेम महाविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष का छात्र है। राहुल ने बताया कि वह अपने मामा दाऊजी निवासी अन्यौर थाना गोवर्धन की मोटरसाइकिल लेकर कॉलेज आया था। आठ सितंबर को सुबह करीब 11 बजे मोटरसाइकिल कॉलेज की पार्किंग में खड़ी की और कक्षा में चला गया। दोपहर करीब 2:45 बजे कक्षा से लौटने पर बाइक पार्किंग में नहीं मिली।

जेल में बंद शिक्षक निलंबित, 27 जून से स्कूल नहीं पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पचहरा में लंबे समय से गैरहाजिर चल रहे सहायक अध्यापक पुष्पेन्द्र सिंह को बीएसए रतन कीर्ति ने निलंबित कर दिया है। जांच में सामने आया कि शिक्षक 27 जून 2026 से स्कूल नहीं पहुंचे और इस दौरान जिला कारागार, मथुरा में निरुद्ध हैं। शिक्षक के लगातार विद्यालय से गायब रहने की जानकारी मिलने पर बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी नौहझील को मौके पर जांच करने के निर्देश दिए थे। खंड शिक्षा अधिकारी ने आठ सितंबर को अपनी जांच रिपोर्ट विभाग को भेजी। रिपोर्ट में बताया गया कि विद्यालय का पहले भी निरीक्षण

जांच में जिला जेल में निरुद्ध होने की मिली जानकारी

किया गया था। उस समय भी पुष्पेन्द्र सिंह लंबे समय से अनुपस्थित मिले थे। विद्यालय के शिक्षक विष्णु कुमार ने भी लिखित रूप से बताया कि पुष्पेन्द्र सिंह 27 जून से लगातार स्कूल नहीं आ रहे हैं। जांच में उनके जिला कारागार, मथुरा में बंद होने की जानकारी मिलने के बाद विभाग ने कार्रवाई की। बीएसए ने आदेश जारी कर उन्हें जेल में निरुद्ध रहने की अवधि से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

नंदोत्सव में गूंजा यशोदा का नंदलाला

कार्यक्रम में मौजूद श्री यमुना महारानी सेवा समिति की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री यमुना महारानी सेवा समिति की ओर से चित्रकूट पर हर्षोल्लाास के साथ नंदोत्सव मनाया गया। शुभारंभ संस्थापिका पुष्पा बंसल ने पालने में विराजमान बालकृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद महिलाओं ने बालकृष्ण को पालने में झुलाकर बधाइयां दीं। नंदोत्सव में नंदबाबा की भूमिका बबली भाटिया और यशोदा की भूमिका नीता अग्रवाल ने निभाई। कृष्ण रूप में तन्वी के साथ बधाइयां गाते हुए टॉफी, बिस्किट और खिलौने लुटाए गए।

अनाया, तनीषा और लक्ष्य ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान श्रीकृष्ण जन्म और उनकी बाल लीलाओं पर आधारित नृत्य नाटिका ने सभी का मन मोह लिया। दीपाली, सुनीता, अनीता और नेहा ने कालियामर्दन सहित कृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन किया। प्रीति अग्रवाल ने 'यशोदा का नंदलाला, बृज का उजाला है' गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया।

पूनम सिंघल, योगिता अग्रवाल, श्वेता गोयल, शालिनी बंसल, पिंकी गुप्ता, रत्ना अग्रवाल और ममता ने भी विभिन्न गीतों पर नृत्य प्रस्तुतियां दीं। निहाल अग्रवाल ने 'अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम' भजन सुनाकर वातावरण भक्तिमय कर दिया। पंक्चुअलटी विजेता सोनल अग्रवाल सहित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संचालन मंत्री माधुरी अग्रवाल ने किया। संस्थापिका पुष्पा बंसल ने आभार जताया। कार्यक्रम में मूलचंद गर्ग, शांतिस्वरूप बंसल, अशोक कुमार कूकन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, राममुखी, प्रिया अग्रवाल, अंजू, बबली शर्मा, प्रिया, श्वेता आदि थे।

पोषण रैली के साथ राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। बाल विकास विभाग की ओर से गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार से पोषण रैली निकालकर नौवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया गया। विधायक पूरन प्रकाश और डीएम सीपी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने भाग लिया।

इस वर्ष पोषण माह की थीम 'हमारी आंगनबाड़ी हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। अभियान नौ सितंबर से आठ अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताजा पका भोजन, सामुदायिक सहभागिता, बाल विकास और प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना को लेकर जागरूकता अभियान चलाया

पोषण रैली का शुभारंभ करते विधायक पूरन प्रकाश, डीएम सीपी सिंह।

जाएगा।

अभियान के दौरान पोषण मेले, व्यंजन प्रदर्शन, प्रोटीन थाली प्रतियोगिता, ईसीसीई दिवस, अन्नप्राशन, गोदभराई, पोषण रंगोली, टीकाकरण-स्वास्थ्य जांच शिविर सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। रैली में 'सही पोषण–देश रोशन' और

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर दिया पोषण का संदेश

संतुलित आहार और मातृ–शिशु स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

'पोषण है आधार, स्वस्थ जीवन का अधिकार' जैसे संदेश दिए गए।

डीएम ने कहा कि संतुलित आहार अपनाने के साथ बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन इमारत में मजदूर का शव मिलने से सनसनी

यूनिक समय, वृंदावन। थाना कोतवाली क्षेत्र के चैतन्य बिहार स्थित सेक्टर–4 में गुरुवार सुबह निर्माणाधीन भवन में एक मजदूर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। उसके सिर और आंख के पास चोट के निशान बताए गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

चैतन्य बिहार सेक्टर–4 में पंकज की निर्माणाधीन बिल्डिंग में लेंटर के लिए शेटरिंग का काम चल रहा था। यहां काम करने वाले मजदूर पप्पू और कन्हैया बुधवार शाम अन्य मजदूरों के काम खत्म कर चले जाने के बाद साइट पर ही रुके थे। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे साइट पर इंजीनियर का काम देखने वाला व्यक्ति पहुंचा। वहां उसे पप्पू का शव पट्टों के ऊपर पड़ा दिखाई दिया। उसके सिर से खून बह रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। थाना प्रभारी अश्वनी कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी सीओ वृंदावन को दी। इसके बाद फील्ड यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। मौके पर मौजूद मजदूर अवनीश कुमार ने बताया कि पप्पू उनके मामा के गांव के रहने वाले थे और करीब दो दिन पहले औरैया से वृंदावन आए थे।

घटनास्थल का निरीक्षण करते सीओ वृंदावन संदीप सिंह और पुलिसकर्मी।

सिर पर मिले चोट के निशान, सीओ और फील्ड यूनिट ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

बुधवार को उनके साथ कन्हैया नाम का मजदूर भी मौजूद था, लेकिन घटना के बाद से वह मौके पर नहीं मिला। पप्पू के सिर और आंख के पास चोट के निशान पाए गए हैं। सीओ वृंदावन संदीप सिंह ने बताया कि निर्माणाधीन साइट पर शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। शव पर चोट के निशान मिले हैं। चोट कैसे लगी और घटना के पीछे क्या कारण है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस कन्हैया समेत अन्य संभावित लोगों से पूछताछ कर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

राजकीय बाल गृह से किशोरी के फरार होने पर मुकदमा

किचन के पास दरवाजे से निकली किशोरी सीसीटीवी में खुलासा

कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप पुलिस ने शुरू की जांच

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित राजकीय बाल गृह से किशोरी के फरार होने के मामले में थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना नौ सितंबर की है। औरैया निवासी किशोरी संस्था में आवासित थी। घटना के बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शिकायत के अनुसार, संस्था की हाउस मदर कर्मचारी लक्ष्मी ने शाम करीब 7:07 बजे फोन पर जिला प्रोबेशन अधिकारी को किशोरी के गायब होने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस और चाइल्ड लाइन को सूचित करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी स्वयं संस्था पहुंचे और कर्मचारियों से घटना की जानकारी ली। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश पर संस्था में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसमें सामने आया कि किशोरी करीब दोपहर तीन बजे किचन के पास लगे दरवाजे से बाहर निकली थी। इसके बाद वह किस दिशा में गई, इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। पुलिस ने आसपास के रास्तों और संभावित स्थानों पर भी तलाश शुरू कर दी है।

लापरवाही की भी होगी जांच

मामले की प्राथमिकी में संस्था के कर्मचारियों की कथित लापरवाही का भी उल्लेख है। किशोरी के संस्था से बाहर निकलने और शाम सात बजे के बाद इसकी जानकारी होने के बीच के समय को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद किशोरी मुख्य परिसर से बाहर कैसे निकल गई। पुलिस पुलिस सीसीटीवी फुटेज, कर्मचारियों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर किशोरी की तलाश के साथ घटना की जिम्मेदारी तय करने में जुटी है।

अस्पताल में युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित एक हॉस्पिटल में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना यमुना पार के गांव सिहोरा निवासी राजवीर सिंह ने बताया कि उनकी बेटी एकता, जो वनस्थली विद्यापीठ जयपुर से स्नातक और स्नातकोत्तर कर रही थी, की तबीयत खराब होने और ससुराल जाने की सूचना उन्हें आठ- नौ जून की रात करीब 12:13 बजे मिली। इसके बाद वह परिजनों के साथ मथुरा के लिए रवाना हुए। रास्ते में उन्हें फोन के माध्यम से एकता की मौत की जानकारी मिली। परिजन जब ससुराल पहुंचे तो एकता मृत अवस्था में पड़ी मिली।

राजवीर सिंह के अनुसार, परिजनों को बताया गया कि एकता को साइलेंट अटैक आया था और उसे एक हॉस्पिटल ले जाया गया था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दिए बिना और पोस्टमार्टम कराए बिना शव परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। बाद में एकता की सहेली द्वारा दिखाई गई चैट के आधार पर परिजनों को उसकी मौत पर संदेह हुआ। शिकायतकर्ता ने अस्पताल के रजिस्टर में भी कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर दर्ज कराई रिपोर्ट

उनका कहना है कि घटना के समय की प्रविष्टियों और अटेंडेंट संबंधी जानकारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मकान पर जबरन कब्जे की कोशिश, धमकी देने का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। थाना कोतवाली के मोहल्ला दुसायत स्थित एक मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश और विरोध करने पर धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

वैशाली गाजियाबाद निवासी विकास सारस्वत ने बताया कि मौहल्ला दुसायत में उनका मकान है। उन्होंने यह मकान अपने भांजे और भांजी को 10 वर्ष की लीज पर दिया था। आरोप है कि 13 अगस्त को करीब दोपहर दो बजे नारायण सिंह और जल सिंह समेत कुछ अज्ञात महिला–पुरुष मकान पर पहुंचे और जबरन कब्जा करने की नीयत से बाहर से ताला लगा दिया। उस समय मकान के अंदर अन्य गोस्वामी के यजमान और कर्मचारी मौजूद थे।

शिकायत के अनुसार, जब मकान का ताला खोलने का प्रयास किया गया तो आरोपियों ने पैसे की मांग की और ताला नहीं खोलने पर धमकी दी। आरोप है कि नारायण सिंह ने ईंट उठाकर भांजे पर हमला करने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद स्थानीय लोगों और प्रेम बिहारी पर तैनात पुलिसकर्मियों की मदद से ताला खुलवाकर अंदर बंद लोगों को बाहर निकाला गया।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि जमीन के स्वामित्व को लेकर पहले से विवाद चल रहा है। उन्होंने आरोपियों से अपने भांजे की सुरक्षा को खतरा बताते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर ठगी, महिला के खाते से 1.13 लाख रुपये गायब

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। एक महिला के खाते से 1.13 लाख रुपये गायब हो गए। पीड़िता ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। जनरल गंज स्थित नगर निगम कार्यालय के सामने रहने वाली आशा देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने एसबीआई से क्रेडिट कार्ड बनवाया था, जिसकी लिमिट 1.34 लाख रुपये थी। आरोप है कि 26 अगस्त को उनके साथ ठगी से कई बार में करीब 1.13 लाख रुपये कट गए। महिला ने घटना की शिकायत साइबर क्राइम में भी दर्ज कराई थी। इसके बाद उन्होंने कोतवाली पुलिस से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रेम मंदिर के सामने महिला से अभद्रता, विरोध पर मारपीट

यूनिक समय, वृंदावन। प्रेम मंदिर के सामने एक महिला से अभद्रता, अश्लीील टिप्पणी और मारपीट के विरोध पर विवाद बढ़ गया। मामले में पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना आठ सितंबर की रात करीब 10:40 बजे प्रेम मंदिर के सामने ब्रजवासी चोटी वाला के पास की बताई गई है।

थाना जैंत के गांव आंझई खुर्द निवासी अर्जुन शर्मा ने बताया कि उनकी दुकान के सामने उनकी मुंहबोली बहन के साथ प्रेमपाल निवासी बड़ौरा थाना शेरगढ़ समेत अन्य लोगों ने अभद्रता की। आरोप है कि प्रेमपाल ने महिला के मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ा और अश्लील और आपत्तिजनक बातें कीं। विरोध करने पर महिला के साथ मौजूद पंकज के साथ भी बदसलूकी की गई। प्राथमिकी के अनुसार, विरोध करने पर प्रेमपाल ने अपने साथियों शिब्बू, रोहित, शेखर, सीटू ठाकुर, जग्गा और पवन को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि सभी लोग लाठी, लोहे की रॉड, चाकू लेकर पहुंचे और अर्जुन के चाचा अशोक शर्मा और भाई रिंकू पर हमला कर दिया। घटना के दौरान करीब 40–50 लोग मौके पर मौजूद बताए गए हैं। हमले में अशोक शर्मा के सिर में गंभीर चोट आई और करीब 25 टांके लगाए गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है।

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

राधाष्टमी पर बरसाना में सात जोन 20 सेक्टर में होगी सुरक्षा व्यवस्था

38 होल्डिंग एरिया, 50 पार्किंग और 155 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

श्रद्धालुओं की सुविधा को 12 स्वास्थ्य शिविर, 160 बसों का संचालन

बैठक में मौजूद डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। राधारानी के प्राकट्य दिवस राधाष्टमी पर्व को लेकर गुरुवार को डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। बरसाना में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाओं का खाका तैयार किया है।

एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने बताया कि मेला क्षेत्र को सात जोन और 20 सेक्टर में बांटा गया है। श्रद्धालुओं के लिए 38 होल्डिंग एरिया, 50 पार्किंग, छह वॉच टावर, 88 बैरियर, 14 बैरिकेडिंग, 12 गोताखोर, एक नाव, 35 पानी के टैंकर, 30 मोबाइल टॉयलेट और सात जूताघर बनाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि बरसाना में 50 स्थानों पर 155 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी। मेला कंट्रोल रूम लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में स्थापित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग 12 स्थानों पर मेडिकल टीम और स्वास्थ्य शिविर लगाएगा। रोडवेज की 160 बसें संचालित होंगी, जबकि 40 बसें रिजर्व रहेंगी।

डीएम ने सड़कों को गड्ढामुक्त करने, निर्बाध बिजली, खाद्य पदार्थों की जांच, एंबुलेंस और बाइक एंबुलेंस की व्यवस्था, एंटी–वेनम दवा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। मेला क्षेत्र में सजावट, वॉल पेंटिंग और फसाड लाइटिंग कराने को कहा।

एसएसपी ने अतिक्रमण हटाने, सीसीटीवी निगरानी, पीए सिस्टम से लगातार उद्घोषणा और प्रभावी खोया–पाया केंद्र संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एसपी यातायात राजेश कुमार तिवारी, एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीजी बाबा में अध्यापक विकास दल का स्वागत

विभिन्न शिक्षण संस्थानों से पहुंचे विशेषज्ञों का हुआ सम्मान

नई शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा का लिया अनुभव

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए प्रतिभागियों का श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में दिल्ली से डॉ. विजय कुमार, रांची से डॉ. विजय यादव, अनूपशहर से डॉ. अजय कुमार वर्मा और डॉ. शीलेन्द्र कुमार सिंह, देहरादून से डॉ. देव स्वरूप गौतम शामिल हुए। विद्यालय परिवार ने अतिथियों को पटुका पहनाकर स्मृति–चिन्ह भेंट किए। विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति-संस्कारों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, भारतीय शैक्षिक दर्शन, ज्ञान परंपरा, पंचपदी शिक्षा पद्धति और पंचकोशीय विकास को व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ना है। प्रतिभागी विद्यालय की कक्षाओं, संस्कार आधारित शिक्षा, शिक्षण पद्धतियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत, उप प्रधानाचार्य प्रेमशंकर, वरिष्ठ आचार्य डॉ. हरीश सारस्वत, धर्मेन्द्र कुमार बंसल, शिवहरि गोस्वामी, उमाशंकर, ललित कुमार, नवीन वार्ष्णेय, विजय यादव, हरदेव शर्मा, रिचा गर्ग सहित समस्त आचार्यगण, कर्मचारीगण और छात्र उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम को शिक्षा के भारतीय स्वरूप को व्यवहार में प्रतिष्ठित करने की दिशा में उपयोगी- प्रेरणादायी पहल बताया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार को चार वाहन रवाना

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए वाहनों को रवाना करते जज।

जनपद न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहनों को किया रवाना

यूनिक समय, मथुरा। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए प्रचार अभियान तेज कर दिया गया है। गुरुवार को जनपद न्यायालय परिसर से जनपद न्यायाधीश-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विकास कुमार ने चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देंगे।

प्रचार वाहनों के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी और पराविधिक स्वयंसेवक भी मौजूद रहे। इनके माध्यम से लोगों को लोक अदालत में लंबित और सुलह योग्य मामलों का निस्तारण कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर जिला जज अजय पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह सहित अन्य न्यायिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, सचिव मनोज शर्मा और लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने जनमानस से अपील की कि 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामले को चिन्हित कर स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों और सुलह–समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण कराएं।

श्यामवीर और चिंटू के बीच बराबरी पर रही अंतिम कुश्ती

कुश्ती दंगल का शुभारंभ करते सपा नेता ठाकुर किशोर सिंह और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम पंचायत बाटी में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। कुश्ती दंगल में विभिन्न प्रदेशों के पहलवानों ने भाग लिया।

दंगल का शुभारंभ महामंडलेश्वर सरजू दास ने किया। दंगल में 51 रुपये से लेकर 31000 तक की रोमांचक कुश्तियां हुईं। आखिरी कुश्ती कुंडोल आगरा के श्यामवीर पहलवान और गोवर्धन के चिंटू पहलवान के मध्य हुई, जो बराबरी पर छूटी। गोवर्धन के विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता ठाकुर किशोर सिंह, ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार, बीएसपी के तेजपाल सिंह ने पहलवानों का हाथ मिलाए।

इस मौके पर सोनू सिंह,करतार सिंह, विष्णु पहलवान, पंकज शर्मा, कुंजी पंडित, प्रधान संजय धनगर, मोहन सिंह, भगवान सिंह, सरमन सिंह, बलबीर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, दाऊजी पंडित, रघुवीर सिंह, नारायण सिंह धनगर, बृज गोपाल,रोहन सिंह, धीरज सिंह,अमर सिंह,हरिओम सिंह, सतीश सिंह, प्रेम धनगर, बनवारी गौतम सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पति पर उत्पीड़न और मारपीट का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र निवासी महिला ने पति पर दुर्व्यवहार, मारपीट और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। महिला की तहरीर पर हाईवे थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राधा ने बताया कि वह ए–27, आनंद नगर, आनंदवन फेज–दो में रहती है। उनका विवाह 11 मार्च 2016 को योगेश कुमार के साथ हुआ था। महिला ने आरोप लगाया कि पति के व्यवहार के कारण घर में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहती है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अगस्त माह में पति की छुट्टी के दौरान उनके साथ कथित रूप से मारपीट और प्रताड़ना की गई। महिला ने पुलिस को अपने साथ हुई घटना की जानकारी देते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। साथ ही आरोप लगाया कि पति द्वारा वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई।

आतिशबाजी गोदामों पर एसडीएम की छापेमारी, स्टॉक देखा

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर्व से पूर्व अवैध आतिशबाजी के भंडारण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। एसडीएम अखिलेश कुमार ने कोसीकलां क्षेत्र में संचालित आतिशबाजी के गोदामों पर औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने गोदामों के लाइसेंस की वैधता और लाइसेंस में स्वीकृत मात्रा का परीक्षण किया, साथ ही स्टॉक रजिस्टर में दर्ज माल और गोदाम में रखे वास्तविक स्टॉक का मिलान कर सत्यापन किया। एसडीएम ने गोदामों में अग्निशमन यंत्र, रेत से भरी बाल्टियों और पानी की व्यवस्था की उपलब्धता देखी, विद्युत वायरिंग और शॉर्ट सर्किट से बचाव के इंतजामों को परखा तथा गोदाम में हवादार व्यवस्था की जांच की।

राजीव एकेडमी में विद्यार्थियों ने सीखा सेल्सफोर्स स्वचालन

विशेषज्ञ गौरव सक्सेना ने स्वचालन और सिस्टम एकीकरण समझाया

फ्लो, म्यूलसॉफ्ट और एआई आधारित तकनीकों की दी जानकारी

छात्र–छात्राओं को सेल्सफोर्स मंच में स्वचालन एवं एकीकरण की जानकारी देते हुए कोडएम सॉफ्टवेयर के सेल्सफोर्स डेवलपर गौरव कुमार सक्सेना।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव अकादमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के एमसीए विभाग की ओर से सेल्सफोर्स मंच में स्वचालन- एकीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कोडएम सॉफ्टवेयर के सेल्सफोर्स डेवलपर गौरव कुमार सक्सेना ने विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों और उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी।

विशेषज्ञ ने बताया कि डिजिटल तकनीक के विस्तार के साथ शिक्षा और उद्योग दोनों क्षेत्रों में स्वचालन और विभिन्न प्रणालियों के एकीकरण की जरूरत बढ़ी है। उन्होंने फ्लो जैसे कम–कोड उपकरणों और म्यूलसॉफ्ट आधारित एपीआई समाधानों के माध्यम से अलग–अलग प्रणालियों को जोड़ने की प्रक्रिया समझाई।

विद्यार्थियों को ग्राहक संपर्क प्रबंधन प्रणाली में संभावित ग्राहकों को स्वतः संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाने, जटिल प्रक्रियाओं के समन्वय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित एजेंट के उपयोग की जानकारी दी गई। उन्होंने विक्रय प्रस्ताव से भुगतान तक की स्वचालित प्रक्रिया और ग्राहक संपर्क प्रबंधन प्रणाली में संभावित ग्राहकों के आंकड़ों के स्वतः समन्वय को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि तकनीकी दौर में विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ उद्योग की नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव भी जरूरी है। चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, नवाचार और समस्या समाधान क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। इससे उन्हें भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और रोजगार के अवसरों के लिए तैयार किया जा सकेगा।

मारपीट और पथराव के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मांट। थाना क्षेत्र के गांव बहादीन में गाली–गलौज, मारपीट, पथराव और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने नौ नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव बहादीन निवासी मनोज कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नौ सितंबर की रात करीब 8:30 बजे देवेंद्र उसके घर के सामने आकर गाली–गलौज करने लगा। विरोध करने पर सोनू और मोनू, सोनू, कान्हा, मंदीप, गोविंद, मधुसूदन और हरी शंकर भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि सभी एक राय होकर गाली–गलौज और मारपीट करने लगे। मनोज के अनुसार, उसके और महेश पुत्र

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

पितृपक्ष में गया जाने की तैयारी 35 लोगों ने कराया रिजर्वेशन

यूनिक समय, मथुरा। पितृपक्ष शुरू होने से पहले ही कान्हा की नगरी में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव नजर आने लगा है। पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करने के लिए मथुरा सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने गया जाने की तैयारी शुरू कर दी है। यात्रा को लेकर श्रद्धालु पहले से ही सतर्क नजर आ रहे हैं और ट्रेनों में सीट आरक्षित कराने लगे हैं। अब तक करीब 35 लोगों द्वारा गया जाने के लिए रिजर्वेशन कराए जाने की जानकारी सामने आई है।

पितृपक्ष के दौरान गया में पिंडदान और तर्पण करने की धार्मिक मान्यता के चलते हर वर्ष ब्रज और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचते हैं। इस बार भी पितृपक्ष की तिथियां नजदीक आते ही लोगों ने अपनी यात्राओं की योजना बनानी शुरू कर दी है। 26 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच गया जाने वाले यात्रियों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है।

गया को हिंदू धर्म में पितरों के श्राद्ध और पिंडदान के प्रमुख धार्मिक स्थलों में माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गया में फल्गु नदी के तट सहित विभिन्न पवित्र स्थलों पर पिंडदान और तर्पण किया जाता है। श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना के साथ धार्मिक अनुष्ठान करते हैं।

यात्रियों का कहना है कि पितृपक्ष के दौरान ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में अंतिम समय में सीट मिलने में परेशानी हो सकती है। इसी को देखते हुए लोग पहले से ही रिजर्वेशन करा रहे हैं, ताकि निर्धारित तिथि पर बिना किसी परेशानी के गया पहुंचकर श्राद्ध कर्म संपन्न कर सकें।

पितृपक्ष को लेकर मथुरा के घरों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिन परिवारों में इस अवधि में पूर्वजों का श्राद्ध किया जाना है, वे अपने परिवार की परंपरा और तिथि के अनुसार कार्यक्रम तय करने में जुटे हैं। कई परिवारों ने गया जाकर पिंडदान करने

बिहार की तीर्थ नगरी में पितरों के श्राद्ध और तर्पण की तैयारी में जुटे श्रद्धालु

26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक यात्रा की तैयारियों में जुटे श्रद्धालु

की योजना बनाई है, जबकि कुछ लोग स्थानीय स्तर पर ही श्राद्ध कर्म संपन्न करेंगे। पितृपक्ष को लेकर बढ़ती तैयारियों के बीच गया जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ने की संभावना है। धार्मिक आस्था के साथ रेल यात्रा की तैयारी ने भी जोर पकड़ लिया है।

रक्तदान शिविर में 15 सदस्यों ने किया रक्तदान

शिविर में रक्तदान करते जेसीआई मथुरा कालिंदी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा कालिंदी की ओर से जेसीआई वीक के तहत जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। डॉ. रितु रंजन के नेतृत्व में आयोजित शिविर में संस्था के 15 सदस्यों ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद का संकल्प दोहराया। रक्तदान करने वाले सदस्यों को अस्पताल की ओर से फल, जूस सहित अन्य खाद्य सामग्री और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से डॉ. रितु रंजन का पटका और पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया, स्मृति उपहार भेंट किया गया। शिविर में अध्यक्ष चेतना बंसल, सचिव

जेसीआई मथुरा कालिंदी ने जिला अस्पताल में लगाया शिविर

किरण माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष रूपाली गर्ग, रजनी मालपानी, गुंजन, अनीता अग्रवाल, ममिता सिंह, मोना रस्तोगी, साधना सरीन, उमेश लखवानी, नितिन अग्रवाल और अमित अग्रवाल सहित सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जेसी ममिता सिंह और जेसी लॉर्ड देवेंद्र सिंह का विशेष सहयोग रहा। संस्था की ओर से अस्पताल के सहयोगी कर्मचारियों को जूस और नाश्ता भी वितरित किया गया।

इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया नंदोत्सव

नंदोत्सव कार्यक्रम में मौजूद मथुरा इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में अग्रवाटिका में भव्य नंदोत्सव आयोजित किया गया। शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। बाल कलाकारों ने श्रीकृष्ण लीलाओं पर आधारित नृत्य और नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर माहौल भक्तिमय कर दिया।

नंदोत्सव का मुख्य आकर्षण वासुदेव का स्वरूप धारण कर लड्डू गोपाल को डलिया में लेकर मंच पर पहुंचना रहा। कार्यक्रम में अध्यक्ष मुकेश सिंघल नंद बाबा और उनकी पत्नी स्वाति सिंघल यशोदा मैया के स्वरूप में मौजूद रहीं। गोप-ग्वाल और गोपियों के वेश में सजे सदस्यों ने बधाई गीत गाकर उत्सव में रंग भर दिया। इस दौरान पुष्पवर्षा भी की गई। नंद बाबा और यशोदा मैया को बधाई देने पहुंचे सदस्यों को उपहार देकर

अग्रवाटिका में कृष्ण लीलाओं ने बांधा समां

दधि-मटकी फोड़ और डांडिया में झूमे एसोसिएशन के सदस्य

सम्मानित किया गया। इसके बाद दधि-मटकी फोड़ कार्यक्रम हुआ। श्रीकृष्ण स्वरूप में गोविंद अग्रवाल ने मटकी फोड़कर माखन लुटाया। इसके बाद सदस्यों ने सपत्नीक डांडिया नृत्य कर उत्सव का आनंद बढ़ाया। संरक्षक कृष्ण स्वरूप सिंघल ने सभी को आशीर्वाद दिया। गुरमुख दास, हरीश अग्रवाल, महेश चंद्र अग्रवाल, रमेश चंद्र अग्रवाल, दीपक अग्रवाल सहित पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

गौ सेवा कर जेसीआई सदस्यों ने लिया संरक्षण का संकल्प

गौ सेवा कार्यक्रम के दौरान मौजूद जेसीआई मथुरा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई वीक 2026 के तहत जेसीआई मथुरा की ओर से पथवारी मंदिर मसानी तिराहा पर गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने गौ माता को चारा खिलाकर सेवा की, गौ संरक्षण और रक्षा का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम संयोजक जेसी बालकिशन अग्रवाल फैंसी और जेसी राकेश गोयल जोहरी (पीपी) ने बताया कि संस्था की ओर से एक वर्ष के चारे की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा को केवल आयोजन तक सीमित न रखकर इसे निरंतर जारी रखना संस्था का उद्देश्य है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार गौ सेवा और संरक्षण में

पथवारी मंदिर पर जेसीआई मथुरा ने आयोजित किया सेवा कार्यक्रम

एक वर्ष के चारे की व्यवस्था कर निरंतर सेवा का लिया संकल्प

योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में जेसी संजीव अग्रवाल, आईपीपी जेसी विशाल गोयल, कोषाध्यक्ष जेसी अतुल अग्रवाल, सचिव जेसी प्रदीप अग्रवाल, चेयरपर्सन लेडी जेसी शिखा बंसल, लेडी जेसी उपासना गुप्ता, जेसी बांके वर्मा और जेसी उमेश गोयल जोहरी आदि मौजूद रहे।

जेसीआई मथुरा सिटी ने रोपे 25 पौधे

कार्यक्रम में पौधों के साथ जेसीआई मथुरा सिटी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई सप्ताह के दूसरे दिन जेसीआई मथुरा सिटी की ओर से गुरुवार को राधापुरम स्टेट में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने क्षेत्र के बगीचों में 25 पौधे लगाए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष संतोष सिंघल, रेखा सिंघल, सचिव गोविंद अग्रवाल, प्रेरणा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष तन्मय खंडेलवाल, रितु खंडेलवाल, राधारमण अग्रवाल, रुक्मणी अग्रवाल, गुलशन खंडेलवाल, दीक्षिता खंडेलवाल, अग्रिम अग्रवाल, कृतिका अग्रवाल, विकास अग्रवाल, हिमांशु गोयल, विनीत अग्रवाल, शिखा अग्रवाल और लोकेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक जेसी राहुल गोयल और अनुभा गोयल ने पौधरोपण अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल भी जरूरी है।

जेसीआई मथुरा ग्रेटर ने उत्साह से किया वीक का शुभारंभ

कार्यक्रम में उत्साह दिखाते जेसीआई मथुरा ग्रेटर क पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा ग्रेटर की ओर से जेसीआई वीक 2026 का शुभारंभ किया गया। नौ से 15 सितंबर तक चलने वाले सप्ताह का पहला कार्यक्रम गुरुवार को स्थानीय होटल में आयोजित हुआ। इसमें संस्था के सदस्यों और लेडी सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सदस्यों को तीन टीमों-दीवान, मस्ताने और परवाने में विभाजित किया गया। विभिन्न गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए मस्ताने टीम ने जीत हासिल की।

मस्ताने टीम ने जीता मुकाबला

कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज अग्रवाल सराफ ने की, जबकि संचालन सचिव यश गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर आईपीपी किशोर मित्तल सचिव मनीष अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, वरुण गर्ग, कपिल अग्रवाल (पीएलए), विकास अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, मोहिनी अग्रवाल, वाणी अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल, गौरी गर्ग, अनुप गर्ग और अंशुल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

वाद-विवाद में विद्यार्थियों ने दिखाई तर्कशक्ति

विजेता विद्यार्थियों के साथ जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की पदाधिकारी।

जेसीआई वीक के दूसरे दिन प्रतियोगिता में जुटे विद्यार्थी

विजेताओं को ट्रॉफी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई वीक के द्वितीय दिवस पर जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की ओर से एलीट इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

विद्यार्थियों ने विषय के पक्ष-विपक्ष में तर्क रखते हुए अपनी वाकपटुता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। उनकी प्रस्तुति ने निर्णायकों और मौजूद सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के बाद विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम में जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की अध्यक्ष देवांगी खंडेलवाल, सचिव परिधि और कोषाध्यक्ष दीपिका सहित रीतिका, राखी, अर्चना, कंचन, सोनल, मेघा, अमिता, अनीता और नीतू आदि सदस्य मौजूद रहीं।

हावड़ा एक्सप्रेस से जा रहे जवान का ट्रैक पर मिला शव

रेलवे ट्रैक पर धड़ और गर्दन अलग मिले

पत्नी बच्चों संग पहुंची अस्पताल, जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, आगरा। आगरा में रेलवे ट्रैक पर एयरफोर्स के 35 वर्षीय जवान का शव दो टुकड़ों में मिलने से सनसनी फैल गई। अछनेरा रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार सुबह राहगीरों ने ट्रैक पर शव पड़ा देखा। उन्होंने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

मृतक की पहचान राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर निवासी नैनाराम के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह अपनी पत्नी शोभा और दो बच्चों के साथ हावड़ा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे। इसी दौरान अछनेरा स्टेशन के पास वह ट्रेन से नीचे गिर गए। हादसे में उनका धड़ और गर्दन अलग हो गई।

गुरुवार सुबह करीब आठ बजे पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक के मोबाइल पर लगातार उनकी पत्नी के फोन आ रहे थे।

पुलिसकर्मियों ने फोन उठाकर पत्नी को बताया कि उनके पति को चोट लगी है और उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचने को कहा। इसके बाद पत्नी बच्चों के साथ ईदगाह स्टेशन पर उतर गईं और अस्पताल पहुंचीं। यहां उन्हें पति की मौत की जानकारी मिली। जीआरपी के अनुसार, जवान का शव प्लेटफॉर्म की दिशा में नहीं, बल्कि रेलवे ट्रैक के दूसरी ओर मिला। शुरुआती जांच में पुलिस आत्महत्या की आशंका भी जता रही है, हालांकि अभी मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मृतक की पत्नी और बेटे से पूछताछ कर घटनाक्रम की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। परिवार के अन्य सदस्य भी पोस्टमार्टम के लिए पहुंच रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

राघवेंद्र गर्ग बने अलौकिक छप्पन भोग के मुख्य संयोजक

मुख्य संयोजक चुने गए राघवेन्द्र गर्ग का दुपट्टा पहनाकर स्वागत करते संस्थापक मुरारी अग्रवाल।

अनमोल बंसल, दिनेश मंगल और नितिन अग्रवाल बने संयोजक

25 सितंबर को गिरिराज तलहटी में सजेगा भव्य छप्पन भोग

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन की गिरिराज तलहटी में आयोजित होने वाले अलौकिक छप्पन भोग महोत्सव के लिए प्रमुख समाजसेवी राघवेंद्र गर्ग को मुख्य संयोजक चुना गया है। अनमोल बंसल, दिनेश मंगल और नितिन अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। गिरिराज सेवा समिति की बैठक में सर्वसम्मति से चयन के बाद संस्थापक मुरारी अग्रवाल ने राघवेंद्र गर्ग को पटुका पहनाकर मुख्य संयोजक घोषित किया।

समिति अध्यक्ष दीनानाथ रामभवन की अध्यक्षता में हुई बैठक में राघवेंद्र गर्ग ने कहा कि महोत्सव को भव्य बनाने के लिए सभी के सहयोग से पूरी मेहनत की जाएगी। उन्होंने बताया कि छप्पन भोग दर्शन के लिए देश–विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। कोलकाता और ओडिशा के कारीगर पिछले एक माह से भव्य राजमहल तैयार कर रहे हैं। थाईलैंड, मलेशिया और मॉरीशस से आए फूलों से तलहटी सजाई जाएगी।

आयोजन में 21 हजार किलो शुद्ध गाय के घी से बने व्यंजनों का छप्पन भोग लगाया जाएगा। 23 सितंबर को दूध धारा परिक्रमा, 24 सितंबर को पंचरत्न महाभिषेक और शाम को स्वामी हरिदास संगीत समारोह होगा। 25 सितंबर, अनंत चतुर्दशी को सोने–चांदी व नवरत्नों से राजाधिराज शैली में श्रृंगार किया जाएगा।

एमएसएमई को आसान ऋण और योजनाओं की जानकारी

बैठक के बाद उद्यमियों के साथ बैंक के अधिकारी।

आरबीआई की टाउनहॉल बैठक में उद्यमियों को किया जागरूक

टीआरईडीएस, यूएलआई समेत सरकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय रिजर्व बैंक के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से गुरुवार को मथुरा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर टाउनहॉल बैठक आयोजित की गई। क्षेत्रीय निदेशक पंकज कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में उद्यमियों को आरबीआई के दिशा–निर्देशों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

पंकज कुमार ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (टीआरईडीएस) और एकीकृत ऋण इंटरफेस (यूएलआई) के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्यमियों को मुद्रा, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

उप महाप्रबंधक अनुराधा साहू ने बैंकों से ऋण आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करने का आग्रह किया। बैठक में केनरा बैंक, एसबीआई और उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के अधिकारियों ने विचार रखे। प्रतिभागियों को वित्तीय साक्षरता सामग्री भी वितरित की गई।

पुष्प कली श्रृंगार से समृद्ध होती ब्रज की मंदिर संस्कृति

पुष्प कली श्रृंगार का लोकार्पण करते वृंदावन शोध संस्थान के अध्यक्ष आरडी पालीवाल।

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज संस्कृति की विविध परंपराएं ब्रज–मंडल के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करती हैं। मंदिरों में होने वाली कला–परंपराएं केवल दर्शन और प्रदर्शन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भोग, राग और श्रृंगार सेवा के माध्यम से व्यापक स्वरूप ग्रहण करती हैं।

यह बात वृंदावन शोध संस्थान के अध्यक्ष आरडी पालीवाल ने गुरुवार को संस्थान के सभागार में कही।श्रीराधाबल्लभ सेवा ट्रस्ट द्वारा संस्थान को पुष्प कली श्रृंगार भेंट करने, संस्थान द्वारा प्रकाशित अगस्त माह के न्यूज लेटर के लोकार्पण के मौके पर पालीवाल ने कहा कि ब्रज संस्कृति संग्रहालय में पुष्प कली श्रृंगार के प्रस्तुतीकरण से श्रद्धालु, पर्यटक और संस्कृति प्रेमी इस परंपरा के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

संस्थान के सचिव प्रवीण गुप्ता ने कहा कि ब्रज संस्कृति का संरक्षण, सेवा और संवर्धन संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। आचार्य श्रीहित सुकृतलाल गोस्वामी ने पुष्प कली श्रृंगार की परंपरा को ब्रज साहित्य और राग सेवा से जुड़ा बताया। उन्होंने कहा कि राधाबल्लभ मंदिर में श्रृंगार–सेवियों ने परंपरा के अनुरूप इसे नए आयाम दिए हैं।

संग्रहालय की क्यूरेटर ममता गौतम ने बताया कि संग्रहालय विस्तार के तहत मंदिर संस्कृति से जुड़ी वीथिकाओं में ऐसी कला–वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ बांकेबिहारी के चित्रपट पर माल्यार्पण से हुआ। निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने सभी का आभार जताया।

ब्रज लोक रंग महोत्सव में सजी लोक संस्कृति की मनोहारी छटा

कान्हा माखन पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

मयूर नृत्य, फूलों की होली और रास ने बांधा समां

इकतारा फाउंडेशन के कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

यूनिक समय, मथुरा। मसानी रोड स्थित कान्हा माखन पब्लिक स्कूल में गुरुवार को सार्वभौम संस्कृत संस्थानम् की ओर से 'ब्रज लोक रंग महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। शुभारंभ राधाकृष्ण की आरती से जिला होमगार्ड कमांडेंट शैलेंद्र सिंह, विनोद बाबा बरसाना के प्रतिनिधि पंडित बाबा सहित अतिथियों ने किया।

महोत्सव में ब्रज की लोक संस्कृति, भक्ति, संगीत और पारंपरिक नृत्य शैलियों की मनोहारी झलक देखने को मिली। मयूर नृत्य, फूलों की होली, रास और कथक आधारित कृष्ण नृत्य–नाटिका ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इकतारा फाउंडेशन फॉर आर्ट एंड कल्चर के कलाकारों नैना शर्मा, त्रिप्ति शर्मा, करिश्मा वर्मा, मान्या भारद्वाज, अंतरा सक्सेना और वर्षा पटेल ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। संस्थापक गार्गी वशिष्ठ के निर्देशन में कलाकारों ने कथक, ब्रज लोक परंपरा और कृष्ण भक्ति का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। सीओ सिटी आशना चौधरी ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय नृत्य से जोड़ना महत्वपूर्ण है। दिल्ली से आए हर्ष सूद और समूह की प्रस्तुतियों ने भी आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

भाजपा विधायक ने पुलिस आयुक्त से की शिकायत

चार थानों के छह पुलिसकर्मियों पर वसूली के आरोप

बिना पैसे काम नहीं करने का लगाया गंभीर आरोप

यूनिक समय, आगरा। फतेहपुर सीकरी विधानसभा क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर कथित वसूली और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। विधायक ने क्षेत्र के चार थानों से जुड़े छह पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ आरोपों से संबंधित साक्ष्य भी पुलिस आयुक्त को सौंपे जाने की बात कही गई है।

विधायक की शिकायत में किरावली थाने के एसएसआई मनोज दीक्षित और हेड मोहर्रिर संदीप कुमार का नाम शामिल है। इसके अलावा रुनकता चौकी प्रभारी आशीष त्यागी, एसआई तरुण चौधरी, मिढ़ाकुर चौकी के अमित कुमार और अछनेरा थाने के कारखास मुकेश यादव पर भी कथित वसूली के आरोप लगाए गए हैं।

चौधरी बाबूलाल का आरोप है कि संबंधित पुलिसकर्मी बिना पैसे लिए लोगों के काम नहीं करते। उनका कहना है कि पुलिस की इस कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र के लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। आरोप है कि कई मामलों में मनमाने तरीके से कार्रवाई कर आम लोगों को परेशान किया जाता है। विधायक ने पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। डीसीपी पश्चिमी आदित्य ने बताया कि भाजपा विधायक की ओर से पुलिस आयुक्त को शिकायत दी गई है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कराई जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल आरोपों की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है और संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका क्या रही है।

तेजस एक्सप्रेस की चपेट में आए दो मजदूरों की मौत

यूनिक समय, आगरा। थाना बरहन क्षेत्र में गुरुवार को रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे दो मजदूर तेजस एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, रेलवे अधिकारी और आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया गया कि कानपुर–दिल्ली रेलवे ट्रैक पर बरहन स्टेशन के पास दोनों मजदूर ट्रैक पर पेंट करने का काम कर रहे थे। इसी दौरान कानपुर की ओर से आ रही तेजस एक्सप्रेस ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतकों की पहचान खरकना, बरहन निवासी योगेंद्र पुत्र डोरीलाल और रामबाबू पुत्र हिंदीलाल के रूप में हुई है। दोनों निजी ठेकेदार के अधीन रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे थे। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच पुलिस और रेलवे अधिकारियों की ओर से की जा रही है।

सुविचार

कठिन राहों पर जो मुस्कुराकर चलता है वही सफलता के शिखर तक पहुंचता है।

कल का पंचांग

तिथि	अमावस्या 10:33-09:02 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी 02:04-01:06 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय	6:03 AM	चन्द्रोदय	06:01 AM
सूर्यास्त	6:29 PM	चंद्रास्त	06:31 PM
सूर्य राशि	सिंह राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM –12:41 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	10:42 AM: 12:16 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

22 सितंबर को रहैगो परिवर्तिनी एकादशी व्रत

करवट लेंगे विष्णु,ब्रज में बरसेगी हरि कृपा

यूनिक समय, मथुरा। भादों सुदी एकादशी पर ब्रज में आस्था की बहार छाएगी। भगवान विष्णु चातुर्मास की योगनिद्रा में 22 सितंबर मंगलवार को करवट बदलेंगे। इसी कारण इस एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी कहा जात है। मान्यता है कि इस दिन विधि–

23 सितंबर प्रातः पारण संग पूरा होयगो व्रत

विधान से व्रत और श्रीहरि की पूजा करैं तो पाप कटैं और मोक्ष का द्वार खुलत है।

पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि 21 सितंबर की रात आठ बजे शुरू होयगी और 22 सितंबर की रात 9:43 बजे तक रहैगी। उदयातिथि के मान से व्रत 22 सितंबर को रखौ जावेगो। ब्रज के मंदिरन में इस दिन ठाकुरजी की विशेष पूजा–अर्चना और भोग–सेवा की परंपरा निभाई जावेगी।

परिवर्तिनी एकादशी पर रवि योग का संयोग भी बन रहो है। रवि योग सुबह 6:09 से 7:06 बजे तक रहैगो। इसके अलावा अतिगंड योग शाम 4:29 बजे तक रहैगो, इसके बाद सुकर्मा योग शुरू होयगो, जो पूरी रात रहैगो। उत्तराषाढ़ा नक्षत्र सुबह 7:06 बजे तक और इसके बाद श्रवण नक्षत्र रहैगो।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्रती भोर 4:35 से 5:22 बजे तक ब्रह्ममुहूर्त में स्नान कर व्रत को संकल्प ले सकैं हैं। पूजा के लिए सुबह 9:11 से दोपहर 1:45 बजे तक शुभ समय रहैगो। अभिजीत मुहूर्त 11:49 से 12:38 बजे तक रहैगो।

व्रत का पारण 23 सितंबर बुधवार को होयगो। व्रती सुबह 6:10 से 8:35 बजे के बीच पारण कर सकैं हैं।

मान्यता है कि परिवर्तिनी एकादशी पर श्रीहरि की आराधना करन से मनोकामना पूरी होय और जीवन में सुख–समृद्धि आवै।

ब्रज में मान्यता है–"जाकौ रखैया गिरधर, ताकौ कौन बिगार सकै।" ऐसे में एकादशी पर श्रद्धालु श्रीहरि के चरणन में अपनी अरदास धरेंगे।

दस हजार एआई एजेंट 88 घंटे में सुलझी पहेली

नेवियर–स्टोक्स समस्या पर ओपनएआई का बड़ा दावा सामने आया

गणितज्ञों ने उठाए सवाल, विशेषज्ञ जांच के बाद फैसला

यूनिक समय, मथुरा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने गणित की दुनिया में हलचल मचा दी है। ओपनएआई ने करीब 90 साल पुरानी चर्चित नेवियर–स्टोक्स समस्या का समाधान खोजने का दावा किया है। कंपनी के मुताबिक करीब 10 हजार एआई एजेंटों ने मिलकर इस कठिन समस्या पर काम किया और महज 88 घंटे में समाधान तलाश लिया।

नेवियर–स्टोक्स समीकरण तरल पदार्थों के बहाव को समझने से जुड़े हैं। पानी या हवा किस गति और दिशा में बहती है, इसका गणितीय मॉडल इन्हीं समीकरणों से तैयार किया जाता है। असली चुनौती यह साबित करना है कि

ये समीकरण हर परिस्थिति में लगातार और सही समाधान देते हैं या नहीं।

ओपनएआई के अनुसार एआई एजेंटों ने समस्या के महत्वपूर्ण हिस्से पर समाधान खोजा है। हालांकि इसे अभी अंतिम गणितीय समाधान नहीं माना जा सकता। कई गणितज्ञों ने दावे पर सवाल उठाते हुए विशेषज्ञों से स्वतंत्र जांच की जरूरत बताई है।

नेवियर–स्टोक्स समस्या मिलेनियम प्राइज की सात समस्याओं में शामिल है। इसके समाधान के लिए दस लाख डॉलर का पुरस्कार निर्धारित है।

यदि ओपनएआई का समाधान कठोर गणितीय जांच में सही साबित होता है, तो यह न केवल गणित बल्कि एआई के इतिहास में भी बड़ी उपलब्धि होगी। फिलहाल रोमांच बरकरार है– मशीन ने जवाब खोज लिया है, अब गणितज्ञ उसकी परीक्षा लेंगे।

साड़ी का लुक बदल देंगे ये आठ स्टाइलिश स्लीव्स

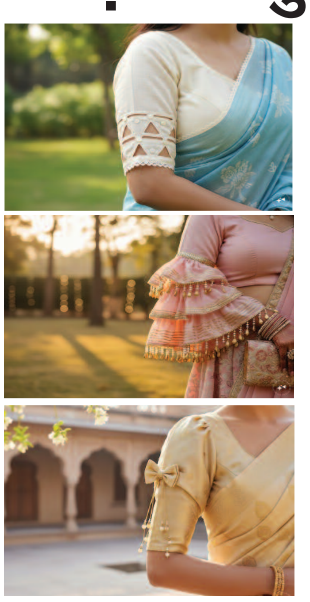

यूनिक समय, मथुरा। साड़ी का खूबसूरत लुक सिर्फ उसके रंग, कपड़े और बॉर्डर पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ब्लाउज की डिजाइन भी पूरे पहनावे को नया अंदाज देती है। खासतौर पर स्लीव्स यानी बाजू के पैटर्न में थोड़ा बदलाव साधारण ब्लाउज को भी डिजाइनर बना सकता है। अगर आप प्लेन बाजू से हटकर कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो इन आठ पैटर्न पर नजर डाल सकती हैं।

ट्राएंगल कट वर्क–हल्की या कॉटन साड़ियों के साथ यह डिजाइन आकर्षक लगता है। कट के साथ छोटे बटन या लेस इसे और खूबसूरत बना सकते हैं।

फ्रिल्ड स्लीव्स–फेमिनिन और फैंसी लुक के लिए फ्रिल वाली बाजू बेहतर

फिश कट से पफ स्लीव्स तक, हर अंदाज खास

कॉटन से बनारसी तक, साड़ी संग चुनें सही डिजाइन

विकल्प है। खास मौकों पर इसमें बीड्स या लटकन भी जोड़ी जा सकती है।

लटकन वाली हाफ स्लीव्स–सिंपल बाजू में छोटी लटकन जोड़कर ब्लाउज को स्टाइलिश बनाया जा सकता है।

पफ स्लीव्स–सिल्क और बनारसी जैसी साड़ियों के साथ पफ स्लीव्स विंटेज टच देती हैं।

फिश कट–कट की खास शेप साधारण ब्लाउज को भी आकर्षक बना देती है।

क्रिस–क्रॉस कट वर्क–सिंपल साड़ी के साथ यह पैटर्न मॉडर्न और फैंसी लुक देता है।

डिजाइनर हाफ स्लीव्स–हल्का कट वर्क डेली वियर ब्लाउज में भी खास अंदाज जोड़ता है।

मिनी बो डिजाइन–सिल्क और बनारसी साड़ियों के साथ छोटा बो और लटकन मॉडर्न लुक दे सकते हैं। साड़ी के कपड़े और अवसर के हिसाब से सही स्लीव चुनना पूरे लुक को निखार सकता है।

बिस्कुट–चिप्स का स्वाद सेहत पर पड़ सकता है भारी

यूनिक समय, मथुरा। बिस्कुट, चिप्स, नमकीन, केक और नूडल्स आज हर घर की रसोई और बच्चों के स्नैक बॉक्स का हिस्सा बन चुके हैं। इन खाद्य पदार्थों को स्वादिष्ट और लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए पाम ऑयल का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। सस्ता होने के कारण खाद्य कंपनियां भी इसका खूब उपयोग करती हैं।

पाम ऑयल में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है। इसका जरूरत से ज्यादा सेवन शरीर में एलडीएल यानी खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है। बढ़ा हुआ एलडीएल धमनियों में फैट जमा होने की आशंका बढ़ाता है, जिससे हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। अत्यधिक पाम ऑयल और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का सेवन वजन बढ़ने, फैटी लिवर और टाइप–2 डायबिटीज

पैक्ड फूड में पाम ऑयल का इस्तेमाल बढ़ा सावधानी जरूरी

सैचुरेटेड फैट बढ़ा सकता है एलडीएल दिल पर असर

के जोखिम से भी जुड़ा माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी सामग्री सूची जरूर पढ़नी चाहिए। पाम ऑयल या वनस्पति तेल का उल्लेख होने पर सेवन सीमित करना बेहतर है। घर का ताजा नाश्ता, फल, भुने चने और मखाने जैसे विकल्प अपनाए जा सकते हैं। संतुलित आहार और सीमित पैकेटबंद भोजन से सेहत को बेहतर रखा जा सकता है।

जिम के शेक पर भारी गांव का देसी प्रोटीन

यूनिक समय, मथुरा। शरीर को मजबूत रखने के लिए प्रोटीन जरूरी पोषक तत्वों में शामिल है। आज बाजार में प्रोटीन पाउडर, बार और शेक खूब बिक रहे हैं, लेकिन गांवों की पारंपरिक रसोई में ऐसे कई खाद्य पदार्थ पहले से मौजूद रहे हैं, जो पौष्टिक होने के साथ किफायती भी हैं। इनमें प्रोटीन के अलावा कई अन्य पोषक तत्व भी मिलते हैं।

सत्तू भुने चने को पीसकर तैयार किया जाता है। इसे पानी, नमक और नींबू के साथ घोलकर पीना पुराने समय से लोकप्रिय रहा है। इससे पेट भरा महसूस होता है और रोजमर्रा के खान–पान में इसे आसानी से शामिल किया जा सकता है।

भुना चना खेतों में काम करने वालों का आसान नाश्ता रहा है। इसे पकाने

की जरूरत नहीं होती और सफर या काम के दौरान भी आसानी से खाया जा सकता है।

अंकुरित मूंग को भिगोकर अंकुरित किया जाता है। इसमें प्याज, नींबू और हरी मिर्च मिलाकर स्वादिष्ट सलाद बनाया जा सकता है। यह हल्का और पोषक विकल्प माना जाता है।

मूंगफली में प्रोटीन के साथ वसा भी होती है। इसे भूनकर या उबालकर खाया जाता है। गुड़ के साथ इसकी पारंपरिक मिठाई भी खूब पसंद की जाती है।

मूंग दाल का चीला भी पौष्टिक नाश्ते का अच्छा विकल्प है। भीगी मूंग

गांव की रसोई में छिपा प्रोटीन का खजाना आजमाएं

महंगे सप्लीमेंट छोड़ें अपनाएं देसी पौष्टिक विकल्प रोज

सत्तू से मूंगफली तक स्वाद संग ताकत भी पाएं

दाल पीसकर तैयार घोल को तवे पर सेंककर इसमें सब्जियां मिलाई जा सकती हैं।

यानी ताकत के लिए हमेशा महंगे पैकेज्ड उत्पाद जरूरी नहीं। देसी अनाज और दालों से सजी पुरानी थाली आज भी पोषण का खजाना है।

सम्पादकीय

रील बनाते अधिकारी, जनता ढूंढे जिम्मेदार अफसर

सरकारी दफ्तर में कभी फाइलें घूमती थीं, अब कैमरे घूम रहे हैं। पहले अधिकारी की पहचान उसके आदेश और काम से होती थी, अब कई बार उसकी पहचान उसकी रील, पोस्ट और फॉलोअर्स से होने लगी है। ऐसे में सरकार अगर सरकारी कर्मचारियों के सोशल मीडिया इस्तेमाल के लिए आचार संहिता बनाने पर विचार कर रही है तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि अधिकारी क्या पोस्ट करे? बड़ा सवाल यह है कि वह पोस्ट करते समय ड्यूटी पर है या डिजिटल दुनिया में छुट्टी पर?

पवन गौतम
संपादक

सोशल मीडिया बुरा नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब जनसेवा और 'जन–मनोरंजन' के बीच की रेखा मिटने लगे। जनता किसी अधिकारी को इसलिए नहीं खोजती कि वह कितनी शानदार रील बनाता है, बल्कि इसलिए खोजती है कि उसकी शिकायत कब सुनी जाएगी। सड़क कब बनेगी, प्रमाणपत्र कब मिलेगा, पानी की समस्या कब दूर होगी–इन सवालों के जवाब इंस्टाग्राम फिल्टर में नहीं मिलते।

विडंबना यह है कि आम आदमी सरकारी दफ्तर में घंटों इंतजार करे और उसी समय अधिकारी साहब किसी ट्रेंडिंग ऑडियो पर वीडियो बनाते दिख जाएं, तो लोकतंत्र का यह डिजिटल संस्करण थोड़ा हास्यास्पद जरूर लगता है। जनता सोच सकती है–साहब ऑनलाइन तो बहुत एक्टिव हैं, बस हमारी फाइल पर ऑफलाइन क्यों हैं?

स्कैन करे
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

बेशक हर सरकारी कर्मचारी नागरिक भी है। उसे निजी जीवन और अभिव्यक्ति का अधिकार है। लेकिन सरकारी पद निजी प्रसिद्धि का मंच नहीं हो सकता। वर्दी, पद, सरकारी पहचान और अधिकार अपने साथ एक अतिरिक्त जिम्मेदारी लेकर आते हैं। जरूरत प्रतिबंध की नहीं, संतुलन की है। अधिकारी सोशल मीडिया पर रहें, लेकिन सोशल मीडिया अधिकारी की नौकरी न बन जाए। सरकारी समय सरकारी काम के लिए हो और निजी समय निजी अभिव्यक्ति के लिए। असल संकट रील का नहीं, प्राथमिकता का है। यदि अधिकारी की टाइमलाइन चमक रही हो और उसकी कार्यतालिका अंधेरे में हो, तो समस्या कैमरे में नहीं, व्यवस्था में है। सरकार को आचार संहिता बनानी ही है तो एक नियम जरूर लिखना चाहिए–पहले काम की पोस्टिंग हो, फिर पोस्ट की।

क्योंकि जनता को वायरल अधिकारी नहीं, जवाबदेह अधिकारी चाहिए। आखिर सरकारी नौकरी का पहला 'फॉलोअर' जनता है और उसकी शिकायत को 'स्किप' करने की सुविधा किसी अधिकारी के पास नहीं होनी चाहिए।

नजरिया

सत्य निकेतन : सपनों के शहर में संघर्ष की कड़वी सच्चाई

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में शिक्षा को हमेशा सामाजिक बदलाव की सबसे बड़ी सीढ़ी माना गया है। गांव–कस्बे का गरीब परिवार अपने बच्चे को पढ़ाता है, इस उम्मीद में कि एक दिन वह नौकरी पाएगा, परिवार की आर्थिक स्थिति बदलेगा और बेहतर जिंदगी जिएगा। यही सपना हजारों युवा लेकर बड़े शहरों का रुख करते हैं। कोई इंजीनियरिंग की तैयारी करता है, कोई मेडिकल में प्रवेश चाहता है तो कोई सरकारी नौकरी को अपने भविष्य की सबसे सुरक्षित राह मानता है। लेकिन इन सपनों की राह जितनी चमकदार दिखाई देती है, उसकी जमीन उतनी ही कठिन और असुरक्षित है।

दक्षिण दिल्ली का सत्य निकेतन इसी सच्चाई का एक चेहरा है। हालिया हादसे ने केवल एक जगह की अव्यवस्था नहीं दिखाई, बल्कि उस पूरे माहौल को सामने ला दिया है, जिसमें देशभर से आए युवा अपने भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सवाल केवल यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ। असली सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा ही क्यों हुईं, जहां शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश में आए युवाओं को असुरक्षित इमारतों और तंग कमरों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा?

सत्य निकेतन जैसी बस्तियां सामान्य रिहायशी कॉलोनियों से अलग हैं। यहां छात्रों की जरूरतों के आसपास एक पूरी अर्थव्यवस्था विकसित हो जाती है। छोटे–छोटे कमरे, पीजी, गेस्टहाउस, टिफिन सेंटर, चाय की दुकानें, जेरॉक्स की दुकानें, कोचिंग संस्थान और दूसरी सुविधाएं लगातार चलती रहती हैं। विद्यार्थी आते हैं, कुछ परीक्षा पास कर चले जाते हैं, कुछ असफल होकर लौटते हैं और कुछ वर्षों तक वहीं टिके रहते हैं। छात्र बदलते रहते हैं, लेकिन उनसे कमाई करने वाला तंत्र बना रहता है। यहीं समस्या की जड़ दिखाई देती है। जब किसी इलाके में रहने की मांग बहुत अधिक हो और सुरक्षित विकल्प सीमित हों, तो मजबूरी बाजार की ताकत बन जाती है। छोटा कमरा महंगा होने के बावजूद मिल जाता है। बिना पर्याप्त फायर सेफ्टी वाला भवन भी किराये पर उठ जाता है। नियमों से अधिक मंजिलें बना दी जाती हैं। संकरी सीढ़ियों और उलझे बिजली के तारों के बीच भी जिंदगी चलती रहती है। विद्यार्थी जानते हैं कि खतरा है, लेकिन उनके सामने दूसरा विकल्प कितना है? उनका लक्ष्य एक ही होता है–पढ़ाई पूरी करनी है, परीक्षा निकालनी है और जिंदगी बदलनी है।

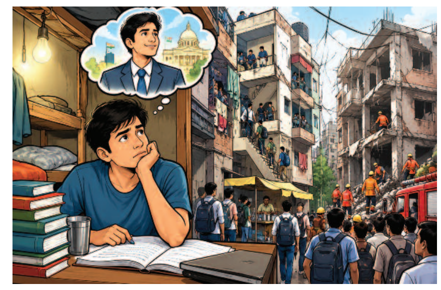

यही मजबूरी सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। क्या हमने अपने युवाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक शिक्षा का वातावरण तैयार किया है? यदि छात्रावास पर्याप्त नहीं हैं, सुरक्षित कमरों का किराया उनकी पहुंच से बाहर है और शहरों में पढ़ने के लिए आने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, तो वे जाएंगे कहां?

हमारे शहरों में ऐसे अनेक इलाके हैं जहां शिक्षा की तलाश में आए युवाओं की पूरी जिंदगी एक कमरे और कोचिंग सेंटर के बीच सिमट जाती है। फिल्मों में कॉलेज जीवन दोस्ती, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और यादगार अनुभवों से भरा दिखाई देता है। लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवाओं का जीवन इससे बिल्कुल अलग है। उनके पास किताबें हैं, नोट्स हैं, टेस्ट सीरीज हैं और एक परीक्षा की तारीख है। इसके अलावा जिंदगी में बहुत कुछ पीछे छूट जाता है।

सुबह से रात तक पढ़ाई। फिर अगले टेस्ट की चिंता। कितने अंक आएंगे? कटऑफ कितनी जाएगी? इस बार चयन होगा या फिर एक और साल तैयारी करनी पड़ेगी? परिवार से मिले पैसे खत्म हो रहे हैं तो आगे का खर्च कैसे चलेगा? ऐसे सवाल धीरे–धीरे पढ़ाई के साथ तनाव भी बढ़ाते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि प्रतियोगिता लगातार बढ़ रही है, जबकि अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ रहे। लाखों युवा कुछ हजार या कुछ सीमित सीटों के लिए परीक्षा देते हैं। असफलता की संख्या बहुत बड़ी होती है, लेकिन व्यवस्था उन युवाओं के लिए पर्याप्त वैकल्पिक रास्ते तैयार नहीं कर पाती। यही खाली जगह एक बड़े और कई बार संदिग्ध बिजनेस–इकोसिस्टम को जन्म देती है। कोचिंग, किराये के कमरे, पीजी, भोजन, किताबें, टेस्ट सीरीज और दूसरी सेवाएं–हर कदम पर पैसा खर्च होता है। परिवार अपनी बचत लगाते हैं। बच्चे वर्षों तक मेहनत करते हैं। लेकिन सफलता की कोई गारंटी नहीं होती। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ा जोखिम विद्यार्थी उठाता है।

इसलिए सत्य निकेतन का हादसा केवल भवन सुरक्षा का मामला मान लेना समस्या को छोटा कर देना होगा। अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन उसके साथ यह भी जरूरी है कि छात्रों के लिए सुरक्षित, सस्ता और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराया जाए। प्रशासन को ऐसे इलाकों की नियमित सुरक्षा जांच करनी होगी। भवनों में आग से बचाव की व्यवस्था, आपातकालीन रास्ते, बिजली की सुरक्षा और क्षमता के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करना होगा। लेकिन इससे भी बड़ा सुधार शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में चाहिए। हर युवा इंजीनियर, डॉक्टर या सरकारी अधिकारी नहीं बन सकता और न बनना चाहिए। देश को तकनीशियन, उद्यमी, शिक्षक, डिजाइनर, शोधकर्ता, कुशल कामगार और हजारों अन्य क्षेत्रों के पेशेवरों की जरूरत है। जरूरत इस बात की है कि युवाओं के सामने सफलता के कई सम्मानजनक रास्ते हों। तभी एक परीक्षा में असफल होना जिंदगी की असफलता नहीं माना जाएगा। आज समाज में सरकारी नौकरी को लेकर जो अत्यधिक आकर्षण है, वह भी इसी असुरक्षा से पैदा होता है। स्थायी नौकरी, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की सुरक्षा की चाह युवाओं को वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं के चक्र में बनाए रखती है। जब दूसरी नौकरियों में सुरक्षा और सम्मान का भरोसा कमजोर हो, तो एक परीक्षा की सीट जीवन–मरण का सवाल बन जाती है। सत्य निकेतन हमें इसी मानसिकता पर सोचने के लिए मजबूर करता है।

हमें यह तय करना होगा कि विकास का अर्थ केवल नई सड़कें, ऊंची इमारतें और चमकते बाजार नहीं हैं। विकास का अर्थ यह भी है कि देश का युवा सुरक्षित माहौल में पढ़ सके, असफल होने पर टूटे नहीं और उसके सामने आगे बढ़ने के कई रास्ते खुले हों। 'सत्य निकेतन' का अर्थ है–सच्चाई का घर। विडंबना यह है कि इस हादसे ने हमारे समाज की एक ऐसी सच्चाई सामने रख दी है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। यह सच्चाई है उन युवाओं की, जो अपने घर–परिवार से दूर रहकर सपनों की कीमत चुका रहे हैं। अब समय है कि हम केवल हादसे के बाद कार्रवाई न करें। सवाल पूछें कि ऐसी परिस्थितियां क्यों बनीं और उन्हें स्थायी रूप से कैसे बदला जाए।

क्योंकि किसी देश की असली ताकत उसकी युवा आबादी की संख्या नहीं, बल्कि उसके युवाओं के सपनों की सुरक्षा है। यदि सपने देखने वाला युवा ही असुरक्षित है, तो विकास की चमक अधूरी है।

विचार विंडो

तेज निर्माण में गुणवत्ता क्यों बन गई बंधक

राम प्रकाश शर्मा

देश में विकास की रफ्तार देखकर खुश होना स्वाभाविक है। नई सड़कें बन रही हैं, एक्सप्रेस–वे तैयार हो रहे हैं, पुल खड़े हो रहे हैं और शहरों से गांवों तक कनेक्टिविटी का जाल फैलाया जा रहा है। सरकारें आंकड़े गिना रही हैं कि इतने किलोमीटर सड़क बनी, इतने पुल पूरे हुए और इतने बड़े प्रोजेक्ट रिकॉर्ड समय में तैयार किए गए। लेकिन विकास की इस चमक के पीछे एक कड़वा सवाल लगातार पीछा कर रहा है–जो इंफ्रास्ट्रक्चर बनने के कुछ ही समय बाद दरकने लगे, उसकी रफ्तार का आखिर हासिल क्या है?

लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे हो या गंगा एक्सप्रेस–वे, दिल्ली–देहरादून हो या दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस–वे–कहीं सड़क की सतह उखड़ रही है, कहीं दरारें पड़ रही हैं तो कहीं जमीन धंस रही है। पुलों और सुरक्षा दीवारों के ढहने की घटनाएं अलग चिंता पैदा कर रही हैं। भागलपुर के पास विक्रमशिला सेतु का हिस्सा टूटना हो या अगुवानी–सुल्तानगंज पुल का बार–बार ढहना, सवाल सिर्फ तकनीकी नहीं है। सवाल उस व्यवस्था का है, जो करोड़ों–अरबों रुपये खर्च करने के बाद भी यह सुनिश्चित नहीं कर पा रही कि बनाया गया ढांचा टिकेगा भी या नहीं। यहां सबसे बड़ा अपराध खराब निर्माण से भी पहले खराब व्यवस्था है।

हमारे यहां किसी बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन होना उपलब्धि माना जाता है। कैमरे आते हैं, फीते कटते हैं, भाषण होते हैं और विकास की तस्वीर सामने रख दी जाती है। लेकिन उद्घाटन के बाद उस सड़क की हालत कौन देखेगा? पुल की नींव कितनी मजबूत है, दीवार किस मिट्टी पर खड़ी है, बारिश के पानी की निकासी कैसी है और पांच साल बाद संरचना कितनी सुरक्षित रहेगी–इन सवालों की चमक कैमरों के सामने दिखाई नहीं देती। शायद यही कारण है कि निर्माण की गुणवत्ता अक्सर उद्घाटन की भव्यता के पीछे दब जाती है।

समस्या केवल ठेकेदार की नहीं है। पूरी प्रक्रिया को देखने की जरूरत है। सरकारी ठेका अक्सर सबसे कम बोली लगाने वाले को मिलता है। सवाल यह है कि कोई कंपनी दूसरों से बहुत कम कीमत पर काम करने का दावा करती है तो वह अपनी लागत कैसे निकालेगी? क्या वह घाटा सहकर निर्माण करेगी? जाहिर है, मुनाफा निकालने का दबाव रहेगा। और जब कीमत पहले ही नीचे खींच दी गई हो, तो सबसे आसान निशाना अक्सर सामग्री, जांच, श्रम और गुणवत्ता नियंत्रण ही बनते हैं। यानी कागज पर सरकार पैसा बचा लेती है, लेकिन जमीन पर जनता कई गुना कीमत चुकाती है। सड़क टूटती है तो मरम्मत पर फिर पैसा लगता है। पुल बंद होता है तो वाहन लंबा रास्ता तय करते हैं। माल ढुलाई महंगी होती है। यात्रियों का समय

बर्बाद होता है। कारोबार प्रभावित होता है। और यदि पुल या दीवार गिरने से किसी की जान चली जाए तो उस नुकसान की भरपाई किसी बजट से नहीं हो सकती। इसके बावजूद हमारी व्यवस्था में जिम्मेदारी अक्सर धुंधली रहती है।

डिजाइन किसी ने बनाया, निर्माण किसी और ने किया, निगरानी किसी तीसरे की थी और मंजूरी किसी चौथे स्तर से मिली। हादसा होने पर जांच बैठती है। रिपोर्ट आती है। कमियां गिनाई जाती हैं। कुछ अधिकारियों या एजेंसियों से जवाब मांगा जाता है। फिर कुछ समय बाद मामला ठंडा पड़ जाता है। लेकिन जनता को यह साफ–साफ पता नहीं चलता कि आखिर गलती किसकी थी और उस गलती की वास्तविक कीमत किसने चुकाई। यही जवाबदेही का संकट है।

डीपीआर भी कई बार गंभीर तकनीकी अध्ययन के बजाय औपचारिकता बन जाती है। जिस जमीन पर परियोजना खड़ी होनी है, उसकी वास्तविक प्रकृति क्या है? वहां पानी का स्तर कितना है? पिछले दस–पंद्रह वर्षों में बाढ़ और बारिश का व्यवहार कैसा रहा है? मिट्टी कितनी मजबूत है? जल निकासी का प्राकृतिक रास्ता क्या है? इन सवालों के ठोस जवाब के बिना किसी सड़क या पुल की डिजाइन करना भविष्य के संकट को आमंत्रण देना है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई परियोजनाओं में पिछली रिपोर्टों को आधार बनाकर नई डीपीआर तैयार करने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। लेकिन जमीन फाइलों की तरह एक जैसी नहीं होती। हर क्षेत्र का भूगोल अलग है, मिट्टी अलग है, पानी का व्यवहार अलग है और मौसम का असर अलग है। फिर एक ही फार्मूला हर जगह कैसे काम करेगा?

स्वतंत्र इंजीनियरों की भूमिका इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल कागजों पर निरीक्षण करने वाला अधिकारी नहीं होना चाहिए। उनके पास इतना अधिकार और स्वतंत्रता होनी चाहिए कि गंभीर तकनीकी कमी मिलने पर वे काम रुकवा सकें। यदि विशेषज्ञ को भी ठेकेदार या विभागीय दबाव के आगे चुप रहना पड़े, तो स्वतंत्र निगरानी का अर्थ ही क्या रह जाता है? अब हमें विकास की परिभाषा भी बदलनी होगी। कितने किलोमीटर सड़क बनी, कितने पुल तैयार हुए और कितने प्रोजेक्ट पूरे हुए–ये आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पर्याप्त नहीं। असली सवाल यह होना चाहिए कि सड़क कितने वर्षों तक सुरक्षित रहेगी, पुल कितनी आपदाएं झेल सकता है और निर्माण में इस्तेमाल तकनीक स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल है या नहीं। सरकार को 'सबसे कम कीमत' की जगह 'सबसे बेहतर जीवन चक्र गुणवत्ता' को महत्व देना होगा। ठेकेदार का मूल्यांकन केवल कम बोली से नहीं, उसके पिछले काम, तकनीकी क्षमता, गुणवत्ता रिकॉर्ड और जवाबदेही से होना चाहिए। खराब निर्माण के लिए आर्थिक दंड के साथ भविष्य के ठेकों पर कड़ी कार्रवाई भी जरूरी है। देश को इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए, लेकिन ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं जिसे हर मानसून अपनी परीक्षा में फेल कर दे। विकास की असली पहचान उद्घाटन की तारीख नहीं, उसकी उम्र होती है। मजबूत सड़क वह है जिसकी मरम्मत के लिए बार–बार बजट न मांगना पड़े। मजबूत पुल वह है जिस पर गुजरते समय लोगों को डर न लगे। मजबूत व्यवस्था वह है जिसमें गलती होने पर जिम्मेदार व्यक्ति का पता चले। अब फैसला करना होगा–हमें तेज निर्माण के आंकड़े चाहिए या टिकाऊ विकास की गारंटी? क्योंकि जनता को फीता काटने की तस्वीर नहीं चाहिए। उसे ऐसी सड़क चाहिए जो टूटे नहीं, ऐसा पुल चाहिए जो गिरे नहीं और ऐसी व्यवस्था चाहिए जो गलती होने से पहले जाग जाए।

चोटिल हर्षित राणा हुए बाहर, इस तेज गेंदबाज की हुई एंट्री

अफगानिस्तान सीरीज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के स्क्वाड में बड़ा बदलाव किया गया है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह यश ठाकुर को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, यश को 2026 एशियन गेम्स के लिए चुनी गई भारतीय टीम में भी जगह मिल गई है। बीसीसीआई ने इस बदलाव की आधिकारिक जानकारी दी है। भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज का पहला मुकाबला 13 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। हर्षित राणा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे थे और उनकी रिकवरी अच्छी चल रही थी। लेकिन 7 सितंबर को एक मैच

सिमुलेशन के दौरान गेंदबाजी करते समय उन्हें रेक्टस फेमोरिस स्ट्रेन हो गया। चोट के बाद उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। अब उनकी जगह यश ठाकुर भारतीय स्क्वाड का हिस्सा होंगे। यश ठाकुर के लिए यह मौका इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने हाल ही में भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया है। जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार मौका मिला था। उन्होंने दो टी20 मुकाबलों में गेंदबाजी करते हुए चार विकेट अपने नाम किए थे। अब अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में उनके पास खुद को साबित करने का एक और बड़ा मौका होगा।

यश को एशियन गेम्स की भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। टूर्नामेंट में भारतीय टीम सीधे क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेगी, हालांकि टीम का सामना किससे होगा, यह अभी तय नहीं है। ऐसे में यश ठाकुर के लिए आने वाले मुकाबले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह मजबूत करने का अहम मौका हो सकते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ अपडेटेड भारतीय टी20 टीम में श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान हैं। टीम में अभिषेक शर्मा वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और अब यश ठाकुर शामिल हैं। वहीं एशियन गेम्स के लिए भी यश ठाकुर को हर्षित राणा की जगह शामिल किया गया है। अब नजरें 13 सितंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज पर होंगी।

‘हनुमान अंश’ में विराट-अनुष्का की एंट्री से बढ़ेगा रोमांच

मेकर्स ने बताया पूरा प्लान

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म ‘हनुमान अंश’ बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और इसकी सफलता के बीच मेकर्स ने आगे की कहानी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। खास बात यह है कि ‘हनुमान अंश’ को शुरुआत से ही एक फिल्म के तौर पर नहीं, बल्कि तीन फिल्मों वाली ट्रिलॉजी के रूप में तैयार करने की योजना बनाई गई थी। फिल्म की निर्माता नम्रता सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस पूरी योजना से जुड़ी कई अहम बातें साझा की हैं। नम्रता सिंह के मुताबिक, पहले पार्ट में महाराज जी के जीवन के शुरुआती वर्षों और उनके कैंची धाम पहुंचने तक की यात्रा को दिखाया गया है। इसके बाद दूसरे पार्ट में कहानी कैंची धाम और उससे जुड़े

आध्यात्मिक पहलुओं पर आगे बढ़ेगी। वहीं तीसरी फिल्म का दायरा भारत से बाहर तक जाएगा। इसमें नीम करोली बाबा की शिक्षाओं और उनके अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को कहानी का अहम हिस्सा बनाया जाएगा। हालांकि, फैंस दूसरे और तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी दोनों फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी नहीं गई है। निर्माता ने बताया कि टीम पिछले करीब डेढ़ साल से लगातार काम कर रही थी और अब करीब 90 दिनों का ब्रेक लेने का फैसला किया गया है। ब्रेक के बाद स्क्रिप्टिंग पर काम शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, दोनों फिल्मों की बड़ी कहानी का खाका टीम के दिमाग में पहले से मौजूद है। ‘हनुमान अंश’ की शूटिंग भी बेहद कम समय में पूरी हुई थी। निर्माता के अनुसार, लेखक विशाल चतुर्वेदी ने पहले पार्ट की स्क्रिप्ट एक महीने से भी कम समय में तैयार की थी। इसके बाद फिल्म की पूरी शूटिंग सिर्फ 22 दिनों में पूरी कर ली गई। दो दिन मुंबई में शूटिंग हुई, जबकि बाकी हिस्सा चित्रकूट में फिल्माया गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अगले पार्ट में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा जैसे बड़े नाम नजर आएंगे? नीम करोली बाबा से विराट और अनुष्का के जुड़ाव को देखते हुए जब निर्माता से संभावित कैमियो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि टीम ने कुछ लोगों से संपर्क किया है। हालांकि, किसी सेलिब्रिटी की एंट्री को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तीसरे पार्ट में नीम करोली बाबा के वैश्विक प्रभाव को दिखाने की तैयारी है। इसमें स्टीव जॉब्स, मार्क जुकरबर्ग, जैक डोर्सी और जूलिया रॉबर्ट्स जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों से जुड़े उनके प्रभाव और अनुभवों का भी जिक्र किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मकसद उनकी आध्यात्मिक विरासत को भारत के साथ-साथ दुनिया के दर्शकों तक पहुंचाना है।

हॉकी में पाकिस्तान पर बरसीं भारतीय की बेटियां

19 गोल से रौंदकर सेमीफाइनल में एंट्री

जूनियर एशिया कप में टीम इंडिया का तूफानी प्रदर्शन

पाकिस्तान एक भी गोल नहीं कर सका

यूनिक समय, नई दिल्ली। चीन में खेले जा रहे जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा धमाकेदार प्रदर्शन किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 19–0 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की

कर ली। पूरे मैच में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला और पाकिस्तान की टीम गोल करने के लिए तरसती नजर आई। भारत की ओर से इस मुकाबले में कुल 13 खिलाड़ियों ने गोल दागे, जबकि पूजा मलिक सबसे सफल खिलाड़ी रहीं, जिन्होंने तीन गोल अपने नाम किए। मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक तेवर दिखाए। मैच के 7वें मिनट में पूजा साहू ने भारत का खाता खोला और इसके बाद गोलों की झड़ी लग गई। भारतीय टीम ने लगातार हमले करते हुए पाकिस्तान के डिफेंस को पूरी तरह दबाव में रखा। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 10 गोल कर दिए थे। दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों की रफ्तार कम नहीं हुई और अगले दो क्वार्टर में नौ और गोल दागकर स्कोर 19–0 कर दिया। भारत की ओर से पूजा मलिक ने तीन गोल किए, जबकि रोशनी, सानिका, मधु और सुप्रिया ने दो–दो गोल दागे। अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी गोल करके टीम की शानदार जीत में अहम योगदान दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान की पूरी टीम भारतीय डिफेंस के सामने बेअसर दिखाई दी और पूरे मुकाबले में एक भी गोल नहीं कर सकी। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने अजेय अभियान को भी जारी रखा है। भारत डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस प्रतियोगिता में उतरा है और उसकी नजर लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर है। भारत इससे पहले 2023 और 2024 में जूनियर महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम कर चुका है। ग्रुप स्टेज में भी भारत ने जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसी टीमों को हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की थी।

90 दशक की हिट हीरोइन नगमा को सालों बाद देख फैंस चौंके

यूनिक समय, नई दिल्ली। 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री नगमा लंबे समय से लाइमलाइट से दूर हैं। ऐसे में बुधवार को सिंटा की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब वह लंबे वक्त बाद नजर आईं तो सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल होने लगे। नगमा के बदले हुए लुक को देखकर कुछ लोग उन्हें पहचान नहीं पाए, वहीं कई फैंस ने अभिनेत्री का समर्थन करते हुए कहा कि उम्र के साथ चेहरे और शरीर में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य है। सोशल मीडिया पर नगमा के वीडियो सामने आने के बाद लोगों की मिली–जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ यूजर्स ने उनके बढ़े हुए वजन पर हैरानी जताते हुए उनके पुराने दिनों को याद किया। वहीं कई लोगों ने बॉडी–शेमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी अभिनेत्री की तुलना हमेशा उसके पुराने लुक से करना सही नहीं है। फैंस ने नगमा की पुरानी फिल्मों को याद करते हुए उनके प्रति प्यार भी जाहिर किया और कुछ लोगों ने उनके

बदला लुक देख पहचानना हुआ मुश्किल

दोबारा फिल्मों में लौटने की उम्मीद जताई।

90 के दशक में नगमा बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल थीं। उन्होंने सलमान खान के साथ फिल्म ‘बागी’ से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इसके बाद वह शाहरुख खान के साथ ‘किंग अंकल’ और अक्षय कुमार के साथ ‘सुहाग’ जैसी फिल्मों में नजर आईं। उनकी ग्लैमरस स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय ने उन्हें उस दौर में खास पहचान दिलाई। नगमा ने सिर्फ हिंदी सिनेमा तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया। भोजपुरी सिनेमा में रवि किशन के साथ उनका गाना ‘लहंगा उठा देम रिमोट से’ भी काफी लोकप्रिय हुआ था। उनकी आखिरी फिल्म ‘ठेला नंबर 501’ बताई जाती है, जो 2008 में रिलीज हुई थी। फिलहाल फिल्मों में वापसी को लेकर उनकी ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

‘श्रीमद्भागवत’ पर बनेगी सात फिल्मों की महागाथा

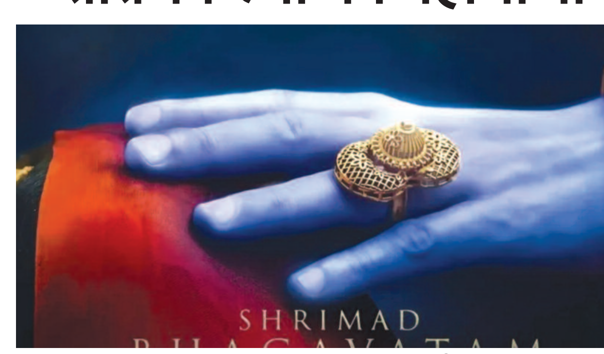

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय पौराणिक और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ी ‘श्रीमद्भागवत’ की कथा अब बड़े पर्दे पर एक विशाल सिनेमाई फ्रेंचाइजी के रूप में नजर आने वाली है। सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने श्रीमद्भागवत पर आधारित सात फिल्मों की सीरीज का ऐलान किया है। इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत ‘श्रीमद्भागवत पार्ट 1: विष्णुरत’ से होगी। मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर पोस्टर भी जारी कर दिया है। फिल्म को 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है और इसे प्रीमियम लार्ज फॉर्मेट में भी दिखाया जाएगा। ‘विष्णुरत’ इस सात भागों वाली महागाथा का पहला अध्याय होगा। मेकर्स ने फिलहाल फिल्म की पूरी कहानी का खुलासा नहीं किया है, लेकिन शीर्षक भगवान विष्णु से जुड़े व्यापक आध्यात्मिक आख्यान की ओर संकेत करता है। श्रीमद्भागवत की कथा बेहद विस्तृत है, इसलिए इसे एक ही फिल्म में समेटने के बजाय सात हिस्सों में पेश करने का फैसला किया गया है। इससे कहानी के अलग–अलग पात्रों, घटनाओं और आध्यात्मिक प्रसंगों को

पहले पार्ट में ‘विष्णुरत’ का ऐलान, 2027 में होगा भव्य आगाज

विस्तार से दिखाने का मौका मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की कमान आकाश सागर चोपड़ा और अमृत सागर चोपड़ा संभाल रहे हैं। सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट भारतीय पौराणिक और धार्मिक कहानियों को पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हालांकि, अभी ‘विष्णुरत’ की स्टारकास्ट की जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म की सटीक रिलीज डेट और प्रोडक्शन से जुड़ी अन्य जानकारियां भी फिलहाल मेकर्स ने गुप्त रखी हैं। 2027 में ‘विष्णुरत’ की रिलीज के साथ श्रीमद्भागवत की सात फिल्मों वाली इस यात्रा की शुरुआत होगी। प्रीमियम लार्ज फॉर्मेट में रिलीज की तैयारी से संकेत मिलता है कि मेकर्स इसे बड़े विजुअल स्केल पर पेश करना चाहते हैं। अब देखना होगा कि ‘विष्णुरत’ इस विशाल आध्यात्मिक कथा को किस अंदाज में पर्दे पर उतारती है और यह फ्रेंचाइजी भारतीय सिनेमा में क्या नया करती है।

कारोबारी ने खुद को गोली मारी,गोली गर्दन में फंसी

यूनिक समय, वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 52 वर्षीय कपड़ा कारोबारी ने अपने छोटे भाई के घर के बाहर खुद को गोली मार ली। गंभीर हालत में परिजन उन्हें बीएचयू ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने गर्दन में गोली फंसी होने की जानकारी दी। उनका उपचार जारी है।

बताया गया कि कारोबारी विजेंद्र सोनी सुबह करीब पांच बजे टहलने निकले थे। वह अपने छोटे भाई जितेंद्र के घर और दुकान के पास पहुंचे और फोन कर उन्हें नीचे आने को कहा। उन्होंने भाई से कहा कि तुरंत नीचे नहीं आए तो वह खुद को गोली मार लेंगे। भाई के नीचे पहुंचने से पहले ही गोली चलने की आवाज सुनाई दी। जितेंद्र बाहर

विजेंद्र सोनी

आए तो विजेंद्र सड़क पर घायल अवस्था में पड़े थे। परिजनों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। आसपास की दुकानों पर भी पूछताछ की गई। विजेंद्र पांडेयपुर में श्रीराम साड़ी घर के नाम से कपड़ों का कारोबार करते हैं। इसी भवन में उनके दोनों भाइयों की भी

भाई को फोन कर कहा नीचे आओ, वरना जान दे दूंगा

आर्थिक तंगी से परेशान होने की बात, अस्पताल में इलाज जारी

दुकानें हैं। परिवार के अनुसार विजेंद्र की इकलौती बेटी की शादी होने वाली है। वह कुछ समय से आर्थिक परेशानी से जूझ रहे थे और उनका उपचार भी चल रहा था। परिजनों ने बताया कि वह तनाव में थे। हालांकि गोली चलाने की स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या में लावारिस मिला ट्रक, 21 टन सरिया गायब

ट्रक मालिक के मुताबिक सरिया की कीमत करीब 30 लाख रुपये

जीपीएस लोकेशन से मौके पर पहुंचा मालिक जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र में खजुरहट–रामनगर मार्ग के पास बुधवार को एक लावारिस ट्रक मिलने से हड़कंप मच गया। ट्रक मालिक के अनुसार वाहन में करीब 21 टन सरिया लदा था, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये है। मौके पर ट्रक तो मिला, लेकिन उसमें लदा पूरा सरिया गायब था।

ट्रक की निगरानी के लिए लगे जीपीएस से वाहन की लोकेशन मिलने के बाद मालिक मौके पर पहुंचा। वहां ट्रक को खाली देखकर उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ट्रक चालक के साथ रास्ते में कोई अनहोनी हुई है या वह सरिया कहीं उतारकर वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि सरिया ट्रक में लोड किए जाने का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। पुलिस वीडियो के आधार पर ट्रक की गतिविधियों और उसमें सरिया लादने वालों की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही सरिया गायब होने की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वाराणसी में पायलट ने उड़ान से किया इनकार, यात्री भड़के

तबीयत खराब होने की बात कह पायलट ने उड़ान छोड़ी

मुंबई जाने वाली उड़ान रद्द होने पर यात्रियों ने किया हंगामा

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर गुरुवार को मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान के पायलट ने अचानक विमान उड़ाने से इनकार कर दिया। पायलट ने तबीयत खराब होने की बात कही। इसके चलते उड़ान प्रभावित हुई और यात्रियों में नाराजगी फैल गई। एयरलाइन अधिकारियों ने यात्रियों को उड़ान के लिए दूसरे पायलट की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी।

बताया गया कि उड़ान संख्या 6ई–6544 को सुबह 10:45 बजे वाराणसी से मुंबई के लिए रवाना होना था। बोर्डिंग शुरू होने से ठीक पहले यात्रियों को पायलट के उड़ान नहीं भरने की जानकारी दी गई। इसके बाद टर्मिनल भवन में यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। यात्रियों ने आरोप लगाया कि एयरलाइन प्रबंधन ने उन्हें समय रहते सही जानकारी नहीं दी।

यात्रियों का कहना था कि वे

सुबह करीब आठ बजे से एयरपोर्ट पर मौजूद थे। लंबे इंतजार के बावजूद उन्हें जलपान और अन्य जरूरी सुविधाओं की पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई। एक यात्री ने आरोप लगाया कि यात्रियों को उड़ान की स्थिति के बारे में स्पष्ट सूचना भी नहीं दी गई।

वहीं, कुछ सूत्रों ने दावा किया कि पायलट की तबीयत खराब होने के बजाय उसकी निर्धारित ड्यूटी अवधि पूरी हो गई थी। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विमान चालक दल के काम और आराम को लेकर निर्धारित नियमों के तहत पायलटों के लिए ड्यूटी और विश्राम की सीमाएं तय हैं। लगातार काम के कारण होने वाली थकान को ध्यान में रखते हुए विमानन कंपनियों को चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है। एयरपोर्ट पर यात्रियों के हंगामे के बाद प्रबंधन ने वैकल्पिक व्यवस्था करने का प्रयास किया।

काकोरी क्रांतिकारियों की पंत ने मजबूती से पैरवी की थी

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र निर्माण और प्रदेश के विकास में दिए योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान अधिवक्ता होने के साथ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे। वर्ष 1925 में काकोरी ट्रेन कांड के बाद अंग्रेजी शासन ने क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए थे। इन मामलों में पंत ने क्रांतिकारियों की मजबूती से पैरवी की और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई।

योगी ने कहा कि वर्ष 1937 में पंत उत्तर प्रदेश के प्रीमियर चुने गए, लेकिन बाद में पद छोड़कर

प्रथम मुख्यमंत्री बनकर उत्तर प्रदेश में सुशासन की नींव रखी

स्वतंत्रता आंदोलन में जुट गए। भारत छोड़ो आंदोलन सहित कई आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। सीएम योगी ने पंत के योगदान को किया याद

आजादी के बाद 1947 में पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उस समय उत्तराखंड भी प्रदेश का हिस्सा था। उन्होंने इतने बड़े राज्य में सुशासन, आर्थिक विकास और सामाजिक हितों को प्राथमिकता दी। भूमि सुधार के क्षेत्र में भी उनके कार्य महत्वपूर्ण रहे।

वर्ष 1954 में देश के गृह मंत्री बनने के बाद उन्होंने भाषाई विवादों का समाधान कराया और हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने में अहम योगदान दिया।

एक फंदे पर लटके मिले प्रेमी युगल शादी का प्रमाण–पत्र मिला

18 दिन से गेस्ट हाउस में ठहरे थे युवक–युवती

कमरे से सुसाइड नोट मिला, अपहरण का मुकदमा था दर्ज

यूनिक समय, लखनऊ। चिनहट क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में बुधवार को युवक–युवती के शव एक ही फंदे से लटके मिले। दोनों 23 अगस्त से कमरा नंबर 101 में ठहरे हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कमरे से शादी का प्रमाणपत्र, हस्ताक्षरित सुसाइड नोट, कपड़े का बैग और दैनिक उपयोग का सामान मिला है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान हरदोई निवासी अमित कुमार (22) और नरगिस (19) के रूप में

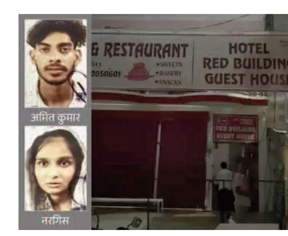

अमित कुमार
नरगिस

हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया कि दोनों ने पंखे के हुक से दुपट्टा बांधकर आत्महत्या की। सुसाइड नोट में दोनों ने अपनी मर्जी से जान देने की बात लिखी है।

कमरे से मिले आर्य समाज मंदिर के प्रमाणपत्र में नरगिस का नाम नरगिस उर्फ पूजा दर्ज है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि नरगिस के पिता ने 23 अगस्त को हरपालपुर थाने में अमित के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों के बीच करीब दस महीने से प्रेम संबंध होने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

पत्नी प्रेमी के साथ भागी पति ने कराई मंदिर में शादी

चार दिन पहले घर से निकली थी महिला हरदोई में मिली

थाने में पत्नी ने प्रेमी संग रहने की जताई इच्छा

यूनिक समय, लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में पत्नी के प्रेम संबंध का एक अनोखा मामला सामने आया है। शादी के बाद प्रेमी के साथ घर से गई महिला को पुलिस ने हरदोई से बरामद किया। थाने में पूछताछ के दौरान महिला ने पति के साथ रहने के बजाय अपने पुराने प्रेमी के साथ जीवन बिताने की इच्छा जताई। इसके बाद पति ने उसकी इच्छा का विरोध नहीं किया और दोनों की मंदिर में शादी करा दी।

जानकारी के अनुसार महिला और उसका प्रेमी माल थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। दोनों ने एक ही स्कूल में पढ़ाई की थी। इसी दौरान दोनों में दोस्ती और फिर प्रेम संबंध हो गया। करीब एक साल पहले महिला की शादी मलिहाबाद निवासी पीआरडी जवान से हुई थी। कुछ दिन पहले वह बिना बताए घर से चली गई। परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस जांच में महिला हरदोई में प्रेमी के साथ मिली। थाने में दोनों परिवारों की बातचीत के बाद महिला ने प्रेमी के साथ रहने की बात कही। पति की सहमति से दोनों की मंदिर में शादी करा दी गई।

एक करोड़ महिलाओं को एक लाख रुपये देगी सरकार

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए बड़ा लक्ष्य तय किया है। सरकार प्रदेश की तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और इनमें से एक करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत पात्र महिलाओं को कुल एक लाख रुपये तक का ऋण तीन किश्तों में उपलब्ध कराया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को योजना भवन में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े अधिकारियों, बैंकों और सहयोगी

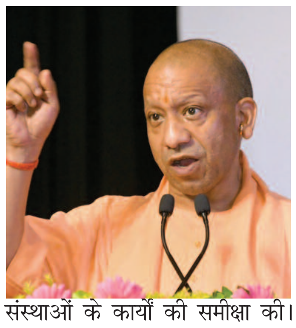

संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने महिलाओं की आय बढ़ाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया।

मौर्य के अनुसार उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी योजना के तहत पहली किश्त में

तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का लक्ष्य

तीन किश्तों में मिलेगा ऋण, ब्याज का भार सरकार उठाएगी

20 हजार रुपये और दूसरी किश्त में 30 हजार रुपये दिए जाएंगे।

ऋण पर लगने वाला ब्याज सरकार वहन करेगी।\ बैंक अधिकारियों को पात्र महिलाओं को सरलता से ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं को गाय–भैंस खरीदने और समूहों को दो लाख रुपये तक के ई–रिक्शा उपलब्ध कराने की योजना भी बनाई जा रही है। तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक संकुल स्तरीय संघ को कम से कम एक ड्रोन उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम होगा।

उपमुख्यमंत्री ने बीमा दावों के समयबद्ध निस्तारण और गरीब महिलाओं को कार्यालयों के चक्कर से बचाने के निर्देश भी दिए।

खेलते–खेलते खुले नाले में गिरा मासूम,मौत

यूनिक समय, बरेली। अलीगंज थाना क्षेत्र के कैनी इंचौर गांव में बुधवार सुबह घर के बाहर खेलते समय दो वर्षीय सुनील खुले नाले में गिर गया। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। हादसे के समय मां अनारकली रसोई में खाना बना रही थीं, जबकि पिता तेजपाल घर में सो रहे थे। परिजनों के मुताबिक सुनील खेलते–खेलते घर से बाहर निकल गया। कुछ देर बाद मां ने उसे तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास खोजबीन शुरू की। करीब एक घंटे बाद घर से लगभग 200 मीटर दूर नाले में बच्चे का शव तैरता मिला।

निर्माणाधीन पुल का भारी लॉन्चर गिरा, छह कर्मचारी घायल

दो कर्मचारियों की हालत गंभीर, सदर अस्पताल रेफर

ग्रामीणों ने सुरक्षा मानकों पर उठाए गंभीर सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के वैशाली जिले में गुरुवार को निर्माणाधीन पुल का भारी-भरकम लॉन्चर अचानक गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना लालगंज थाना क्षेत्र में भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे एनएच-139डब्ल्यू फोरलेन पर हुई। लॉन्चर गिरने के दौरान निर्माण कार्य में जुटे छह कर्मचारी इसकी चपेट में आकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद साथी कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने घायलों को लालगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया। यहां छह कर्मचारियों का उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों और घायलों के परिजनों ने निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि इतनी बड़ी परियोजना में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि हादसे के बाद परियोजना से जुड़े कुछ अधिकारी और ठेकेदार मौके से चले गए। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को शांत कराया और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रशासन अब हादसे के कारणों की जांच कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार यह पता लगाया जा रहा है कि लॉन्चर गिरने के पीछे तकनीकी खराबी थी या निर्माण कार्य में किसी स्तर पर लापरवाही बरती गई। जांच के बाद जिम्मेदार लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हादसे ने निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा मानकों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप का ऐलान, जीत पर हर मतदाता को मिलेंगे पांच हजार डॉलर

रिपब्लिकन बहुमत बचा तो पांच हजार डॉलर देंगे

योजना पर 128 लाख करोड़ रुपये खर्च का अनुमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट में बहुमत बरकरार रखा तो हर वयस्क अमेरिकी को पांच हजार डॉलर यानी करीब 4.76 लाख रुपये दिए जाएंगे। ट्रंप ने इसे 'ट्रंप लाभांश' नाम दिया है।

डलास में रिपब्लिकन सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह भुगतान अमेरिका की आर्थिक मजबूती और सफलता के कारण किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था कैसे होगी और भुगतान किन लोगों को मिलेगा।

अमेरिका में करीब 26.98 करोड़ वयस्क हैं। सभी को पांच हजार डॉलर देने पर लगभग 1.35 लाख करोड़ डॉलर यानी 128 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था से करीब 3.3 गुना अधिक है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमीर लोगों को इस लाभ में शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने भुगतान के लिए सीमा शुल्क से मिलने वाली आय के इस्तेमाल की संभावना जताई।

जारकीहोली के ठिकानों पर ईडी की तलाशी जारी

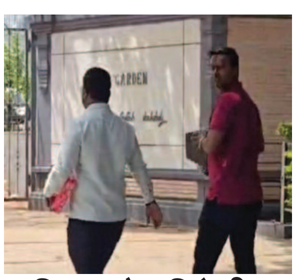

कथित अवैध विदेशी निवेश मामले में कार्रवाई लगातार जारी

कांग्रेस ने भाजपा पर सरकार अस्थिर करने का आरोप लगाया

यूनिक समय, नई दिल्ली।। कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तलाशी गुरुवार को लगातार दूसरे दिन जारी रही। जांच एजेंसी की कार्रवाई कथित अवैध विदेशी निवेश से जुड़े मामले में की जा रही है। बेलगावी और गोकाक में मंत्री के परिवार के सदस्यों और करीबियों से जुड़े कई ठिकानों पर भी जांच की गई। ईडी अधिकारियों ने गोकाक स्थित जारकीहोली के आवास की तलाशी ली। इस दौरान उनकी पत्नी, बेटी और सांसद प्रियंका जारकीहोली मौजूद थीं। इसके अलावा परिवार के सदस्य वाई. मंजूनाथ, करीबी सहयोगी गिरीश सोनावलकर और निजी सचिव मालागौड़ा पाटिल के आवास पर भी तलाशी की गई।

जांच के दौरान ईडी ने मंत्री के चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रदीप कुमार इंदी और सैदप्पा गडागी को भी समन किया। अधिकारियों ने उनसे वित्तीय लेनदेन और लेखा-जोखा से संबंधित जानकारी मांगी। तलाशी के दौरान कुछ दस्तावेज और एक प्रिंटर जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है।

धारवाड़ कांग्रेस जिला अध्यक्ष सदानंद डंगनावर ने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है।

डंगनावर ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार एकजुट है और मुख्यमंत्री तथा मंत्री मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से सरकार को अस्थिर नहीं किया जा सकता।

युवा संवाद में नितिन नबीन ने गिनाए अवसर

डिजिटल तकनीक और खेल पर हुई चर्चा

नौकरी से आगे बढ़कर एआई और स्टार्टअप पर जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के हल्द्वानी में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान करियर, रोजगार, सरकारी नौकरी, स्वरोजगार, स्टार्टअप, कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक और खेल समेत उत्तराखंड के भविष्य से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। युवाओं ने भी नेताओं से सवाल पूछे और सरकार की योजनाओं को लेकर अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। नितिन नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की युवा शक्ति को नई दिशा देने और उनके लिए नए अवसर तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और खेलो इंडिया जैसी पहलों से युवाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल को आगे बढ़ाने का मंच मिला है। उन्होंने कहा कि आज युवा केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाला भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से नए अवसर सामने आ रहे हैं। उत्तराखंड के युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को प्रदेश के विकास से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया का सकारात्मक इस्तेमाल करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। उनके अनुसार अब तक करीब 34 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है।

भाटिया मानहानि मामले में सीजेपी नेताओं को समन

विवादित पोस्ट हटाने पर दास और रांका सहमत हुए

हाईकोर्ट ने दोबारा पोस्ट आने पर हटाने को कहा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत के समक्ष सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने भाटिया के खिलाफ साझा की गई विवादित पोस्ट हटाने पर सहमति जताई। दोनों पोस्ट 24 घंटे में हटाई जाएंगी।

मामले में अदालत ने सौरव दास, आशुतोष रांका और सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके को समन जारी किया है। साथ ही मेटा और एक्स से कहा कि भविष्य में ऐसी ही पोस्ट दोबारा साझा होने और शिकायत मिलने पर उसे हटाने की कार्रवाई की जाए।

विवाद उस पोस्ट को लेकर है, जिसमें भाटिया की तस्वीर और नाम के साथ स्वतंत्र भारद्वाज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी दिखाई गई थी। भाटिया ने इसे फर्जी बताते हुए कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया।

न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है, लेकिन बिना जांचे किसी के खिलाफ ऐसी सामग्री साझा करना उचित नहीं है। भाटिया ने मामले में दो करोड़ रुपये हर्जाने की मांग की है।

पंजाब कांग्रेस को एकजुट करने में जुटे सचिन पायलट

राहुल, प्रियंका और खरगे के नाम पर साधेंगे सभी नेताओं को

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी को खत्म कर संगठन को चुनाव से पहले एकजुट करने की जिम्मेदारी नए प्रभारी सचिन पायलट को मिली है। पायलट ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से संपर्क और मुलाकात का सिलसिला शुरू कर दिया है। उनका प्रयास राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में सभी नेताओं को एक मंच पर लाने का है। राहुल गांधी ने पायलट से पंजाब के वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद दूर करने और पार्टी को सामूहिक रूप से चुनाव लड़ने के लिए तैयार करने को कहा है। राहुल ने चुनाव के दौरान पंजाब में समय बिताने की इच्छा भी जताई है। इसे देखते हुए कांग्रेस की विशेष टीमें उनके संभावित चुनावी दौरे की तैयारियों में जुटी हैं।

पंजाब कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के समर्थकों के बीच मतभेद पायलट के लिए बड़ी चुनौती हैं। इससे पहले प्रभारी भूपेश बघेल भी गुटबाजी खत्म करने का प्रयास कर चुके हैं।

पायलट का दावा है कि पंजाब के सभी वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव से पहले एकजुट होकर काम करने का भरोसा दिया है। उनकी चन्नी से भी सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई। पायलट के अनुसार चन्नी ने चुनावी अभियान में पार्टी को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है।

इसरो ने सीई-20 इंजन का सफल परीक्षण किया

220 किलो न्यूटन दबाव पर परीक्षण से क्षमता बढ़ेगी

गगनयान अभियान के लिए भी परीक्षण अहम माना गया

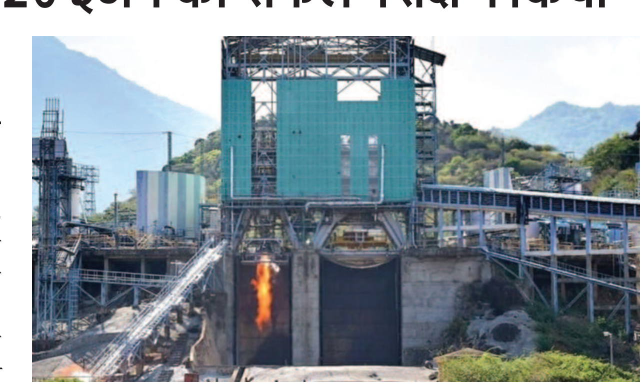

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सीई-20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 किलो न्यूटन बढ़े हुए दबाव पर सफल उड़ान स्वीकृति गर्म परीक्षण किया है। यह परीक्षण 9 सितंबर को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो के प्रक्षेपण परिसर में किया गया। इसरो के अनुसार, यह इंजन आगामी एलवीएम-3 अभियान के सी-32 ऊपरी चरण के लिए निर्धारित है। परीक्षण के दौरान द्रव ऑक्सीजन टैंक दबाव प्रणाली का प्रदर्शन भी सफल रहा। यह प्रणाली गगनयान अभियान के सी-32 चरण के लिए विकसित की गई है। सीई-20 इंजन एलवीएम-3 के ऊपरी क्रायोजेनिक चरण को शक्ति देता है। बढ़े हुए दबाव से भविष्य के एलवीएम-3 अभियानों में अधिक भार अंतरिक्ष तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे उन्नत सी-32 चरण को उपयोग में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इससे पहले मार्च में भी सीई-20 इंजन का 22 टन दबाव स्तर पर समुद्र तल परीक्षण किया गया था। इस दौरान इंजन ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया था।

कम बारिश, सितंबर में उछल रहा मथुरा का पारा

2023 और 2025 के बाद इस साल का यह महीना सबसे गर्म

2021 सबसे कम, इस बार फिर 36 डिग्री तक पहुंचा तापमान

यूनिक समय, मथुरा। सितंबर में मानसून की सक्रियता कमजोर पड़ते ही मथुरा का मौसम फिर गर्म होने लगा है। बारिश के बीच लंबे अंतराल से दिन का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच रहा है। उमस के कारण गर्मी का असर और बढ़ गया है। धूप निकलते ही लोग पसीने से तर हो रहे हैं।

पिछले पांच वर्षों के सितंबर के आंकड़े मौसम के बदलते मिजाज की तस्वीर पेश करते हैं। मौसम विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2021 में सितंबर का औसत अधिकतम तापमान 32 डिग्री, 2022 में 34 डिग्री, 2023 में 35 डिग्री, 2024 में 33 डिग्री और 2025 में 35 डिग्री सेल्सियस रहा। आंकड़ों में 2023 और 2025 सबसे गर्म रहे, जबकि 2021 में सितंबर का औसत अधिकतम तापमान सबसे कम रहा। पांच वर्षों का औसत करीब 34 डिग्री सेल्सियस बैठता है। इस लिहाज से सितंबर में 35–36 डिग्री तक पहुंच रहा, अब तापमान सामान्य से ऊपर गर्मी का अहसास करा रहा है।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, बारिश और तापमान के बीच संबंध भी आंकड़ों में साफ नजर आता है। 2023 में सितंबर के दौरान बारिश महज 42.61 मिलीमीटर दर्ज हुई, जबकि औसत अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहा। इसके विपरीत 2024 में बारिश 209.09 मिलीमीटर रही और औसत अधिकतम तापमान 33 डिग्री तक सीमित रहा। 2021 और 2022 में भी करीब 140 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। मौसम विज्ञानी के अनुसार, इस साल भी बारिश थमते ही पारा तेजी से ऊपर जा रहा है। इस सप्ताह मथुरा में अधिकतम तापमान 36 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि बारिश शून्य रही। उनका कहना है कि सितंबर में बारिश जितनी कमजोर पड़ रही है, गर्मी उतनी ही हावी हो रही है। मानसून की विदाई से पहले मथुरा के लोगों को अब एक और अच्छी बारिश का इंतजार है।

12 और 13 को वर्षा की संभावना- वहीं, चढ़ते पारे के बीच मौसम विभाग के पूर्वानुमान ने राहत की उम्मीद जमाई है। एक सप्ताह के लिए जारी किए गए पूर्वानुमान में मथुरा में दो दिन बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, जिले में 12 और 13 सितंबर को आकाशीय गर्जना के साथ एक या दो बार हल्की या तेज वर्षा हो सकती है।

पराली प्रबंधन को लेकर किसानों को किया जागरूक

गांव अलवाई में पराली प्रबंधन की जानकारी देते कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानी।

अलवाई में कृषि विज्ञान केंद्र ने चलाया कृषक जागरूकता अभियान

यूनिक समय, छाता। कृषि विज्ञान केंद्र मथुरा की ओर से गुरुवार को क्षेत्र के गांव अलवाई में फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इसमें 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान और खेत में ही उसके प्रबंधन के तरीके बताए गए।`केंद्र प्रभारी डॉ. वाईके शर्मा ने बताया कि हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, रोटावेटर, मल्चर, चोपर, रिवर्सिबल एमबी प्लाऊ और कंबाइन हार्वेस्टर जैसे कृषि यंत्रों से फसल अवशेषों को खेत में मिलाया जा सकता है। इनमें कई यंत्र सरकार की ओर से अनुदान पर उपलब्ध कराए जाते हैं।

इनके उपयोग से पराली नष्ट करने के बजाय खेत में मिलाकर अगली फसल की समय से बुवाई की जा सकती है। मृदा वैज्ञानिक डॉ. रविंद्र कुमार राजपूत ने बताया कि फसल अवशेष मिट्टी में मिलाने से जैविक पदार्थ और पोषक तत्व बढ़ते हैं। इससे सूक्ष्म जीवों की सक्रियता बढ़ती है और मिट्टी की उर्वरा शक्ति में सुधार होता है। कार्यक्रम में बत्ती, किशोरी, कुलदीप, दीपेंद्र, माधव सहित अन्य किसान मौजूद रहे। अध्यक्षता प्रगतिशील किसान गोविंद ठाकुर ने की।

आईओपी वृंदावन महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की यूजीसी नेट परीक्षा

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी वृंदावन महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने यूजीसी नेट जून 2026 की परीक्षा में सफलता हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में महाविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के एम.ए. प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के विद्यार्थी दिव्यांश वार्ष्णेय और गृहविज्ञान की शोधार्थी विनीता गौतम ने यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। इस सफलता के साथ दोनों विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पीएचडी और सहायक प्रोफेसर पद की पात्रता के लिए योग्य हो गए हैं।

विद्यार्थियों की उपलब्धि पर महाविद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान के लिए गर्व का क्षण है। विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासित अध्ययन और प्राध्यापकों के मार्गदर्शन से यह सफलता संभव हुई है। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता–पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का पुस्तकालय, सेमिनार और व्यक्तिगत काउंसिलिंग उनकी तैयारी में बेहद सहायक रहे।

मां भगवती का होगा भव्य दुग्धाभिषेक

शारदीय नवरात्रि जागरण की तैयारी शुरू

यूनिक समय, कोसीकलां। रामनगर सेवा समिति के तत्वावधान में आगामी शारदीय नवरात्रि में होने वाले जागरण को लेकर शुक्रवार को सुबह साढे आठ बजे मां भगवती का दुग्धाभिषेक होगा। समिति के अध्यक्ष विशाल जायसवाल ने बताया कि मां भगवती के चरणों में दुग्धाभिषेक कर आगामी शारदीय नवरात्रि जागरण के सफल–भव्य आयोजन के लिए मंगल कामनाएं की जाएंगी। उन्होंने बताया कि दुग्धाभिषेक के साथ ही नवरात्रि महोत्सव की विधिवत शुरुआत होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से दुग्धाभिषेक में पहुंचने की अपील की है।

राधाष्टमी मेले में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब, जाम से निपटना चुनौती

कोसीकलां–बरसाना मार्ग पर बढ़ा वाहनों का दबाव

बसों की कमी से श्रद्धालु परेशान

यूनिक समय, कोसीकलां। 18 और 19 सितंबर को होने वाले राधाष्टमी मेले को लेकर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की ओर से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु कोसीकलां होकर बरसाना पहुंच रहे हैं। इसके चलते बरसाना और गोवर्धन जाने वाले मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। जगह–जगह जाम लगने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नंदगांव रोड स्थित पुल के नीचे जाम की स्थिति सबसे अधिक गंभीर बनी हुई है। टू–लेन मार्ग पर क्षमता से कई गुना अधिक वाहनों के पहुंचने से यातायात धीमी गति से चल रहा है। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर स्थिति और बिगड़ने की आशंका है। कोसीकलां–बरसाना मार्ग पर डग्गामार वाहन और ई–रिक्शा भी यातायात व्यवस्था में बाधा बन रहे हैं। कई चालक बीच सड़क पर ही सवारियां उतारने और बैठाने लगते हैं, जिससे पीछे वाहनों की कतार लग जाती है। इससे जाम की समस्या बढ़ रही है।

वहीं, मेले के दौरान पर्याप्त सार्वजनिक बसें उपलब्ध नहीं होने से श्रद्धालुओं को मजबूरी में डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। स्थानीय निवासी योगेश कुमार ने बताया कि राधाष्टमी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कोसीकलां होकर बरसाना और गोवर्धन जाते हैं। प्रशासन को मेले के दौरान विशेष बसों का संचालन करने के साथ नंदगांव रोड पुल के नीचे पर्याप्त यातायात पुलिस की तैनाती करनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने जाम से निजात के लिए विशेष यातायात योजना लागू करने की मांग की है।

चोरी के सामान और अवैध चाकू के साथ युवक दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। थाना शेरगढ़ पुलिस ने एक युवक को चोरी के सामान और अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवक के कब्जे से करीब 21 मीटर समरसेबिल केबल, दो कॉपर तार और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम ने गुरुवार को शाम करीब 5:35 बजे मुखबिर की सूचना पर लाहलोरी माता मंदिर वाली पुलिया के पास से मुबारक निवासी अस्थाई झुग्गी झोपड़ी छटीकरा, थाना जैत को गिरफ्तार किया। उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली। इसमें करीब 21 मीटर काले रंग की समरसेबिल केबल, नीले और पीले रंग के दो कॉपर तार, एक पेचकस, एक आरी का ब्लेड और एक अवैध चाकू बरामद हुआ।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना शेरगढ़ के प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर और उपनिरीक्षक सूरज तेवतिया शामिल रहे।

तीन दिन बंद रहेगा मथुरा का रेलवे फाटक 522

11 से 13 सितंबर तक वाहन अंडरपास 521 और फाटक 523 से निकलेंगे

यूनिक समय, मथुरा। फरह–बाद के बीच रेलवे फाटक संख्या 522 पर मरम्मत का काम किया जाएगा। इसके चलते 11 से 13 सितंबर तक फाटक से सड़क यातायात बंद रहेगा।

रेल प्रशासन के अनुसार, फाटक संख्या 522, किलोमीटर 1382/20–22 पर मरम्मत कार्य होना है। काम के दौरान वाहनों को फाटक से नहीं निकलने दिया जाएगा।

वाहन चालकों के लिए वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई है। फाटक से गुजरने वाले वाहन अंडरपास संख्या 521 और फाटक संख्या 523 के रास्ते से जा सकेंगे।

अवैध तमंचा–कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना बलदेव पुलिस ने एक युवक को अवैध देशी तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, देर रात करीब 11:55 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस टीम ने प्याऊ मोड़ गढ़सौली से गांव गढ़सौली की ओर जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर दिनेश निवासी गढ़सौली, थाना बलदेव को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अभय कुमार शर्मा और उपनिरीक्षक आलोक कुमार मिश्रा, चौकी प्रभारी शामिल रहे।

शोधार्थियों ने साझा किए शोध अनुभव सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज में शोधार्थियों के कार्यक्रम में भाग लेते प्राचार्य पल्लवी सिंह और प्रो.अनुपम मिश्रा

केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज में गेट–टु गेदर कार्यक्रम का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। के आर गर्ल्स डिग्री कॉलेज में शोधार्थियों के लिए गेट–टुगेदर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो. पल्लवी सिंह,असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपम मिश्रा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्राचार्य ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में ज्ञान प्राप्त होता है। समय समय पर कार्यक्रम करने चाहिए। प्रो.अनुपम मिश्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्रों में बहुत जल्द ही ज्ञान वर्धन होता है। कार्यक्रम में छात्रा फरहीन और दीक्षा शर्मा ने राजस्थानी लोकनृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं बीकॉम तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं की समूह नृत्य प्रस्तुति की। छात्रा सना ने भाषण के माध्यम से गुरु–शिष्य संबंधों के बारे में जानकारी दी।

वामन भगवान शोभायात्रा की तैयारियां तेज

यूनिक समय, मथुरा। 23 सितंबर को आयोजित होने वाली वामन भगवान शोभायात्रा को लेकर श्री वामन भगवान महोत्सव समिति (रजि.) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। समिति के संस्थापक श्याम शर्मा ने पदाधिकारियों के साथ राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह से मुलाकात कर उन्हें शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। समिति के संस्थापक ने बताया कि इस वर्ष श्री वामन भगवान शोभायात्रा को सर्वसमाज की आस्था के महापर्व के रूप में आयोजित किया जा रहा है। समिति का उद्देश्य भगवान वामन की भक्ति और सनातन संस्कृति के संदेश को जन–जन तक पहुंचाया जाएगा।

राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह को वामन भगवान शोभायात्रा का आमंत्रण देते समिति के संस्थापक श्याम शर्मा आदि।

उन्होंने बताया कि मथुरा की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भव्य स्वरूप देने के लिए समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय शर्मा, उपाध्यक्ष अजय शर्मा (लाला भैया) सहित अन्य पदाधिकारियों ने सांसद को शोभायात्रा की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा की जानकारी दी।